**संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती**
**अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024**
**विद्याशाखा: मानवविज्ञान**
**Faculty: Humanities**

**पाठयक्रम: एम.ए. अनुवाद हिंदी**
**Programme: M.A.II (Translation Hindi)**
**भाग - अ (Part - A)**

**पाठयक्रम की निष्पत्ति (Pos) : -**

1) अनुवाद हिंदी पाठयक्रम से छात्र अध्ययन की योजना बनाकर किसी अभिष्ट की सिद्धि प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
2) राष्ट्रभाषा हिंदी के अध्ययन से छात्रों में राष्ट्रभाषा के प्रति अभिरूचि निर्माण होगी।
3) अनुवाद के माध्यम से छात्र हिंदी भाषा को सामाजिक-सांस्कृतिक धरातल पर वैश्विकता की ओर ले जाने में सक्षम होंगे।
4) इस पाठयक्रम से छात्रों में भाषाओं के तुलनात्मक अध्ययन की चिकित्सक वृत्ति विकसित होगी।
5) समाज में राष्ट्रभाषा का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार होकर, शिक्षार्थी नवीनतम आयामों, तथ्य, विचार, मान्यता, मूल्यों के साथ आदर्श समाज का सुदृढ़ नागरिक बन सकेंगे।
6) इस पाठयक्रम के माध्यम से छात्र शिक्षा एवं समाज दोनों के उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकेंगे।
7) छात्र संस्कृति एवं सभ्यता की विशिष्टता, मौलिकता, करणीय एवं अकरणीय, कर्तव्य, जीवनादर्शों का ज्ञान प्राप्त कर अपनी सृजनात्मक प्रतिभा द्वारा समर्पित होकर कार्य कर सकेंगे।
8) छात्र अध्ययन द्वारा सहगामी क्रियाओं में भाग लेकर, विभिन्न अनुभवों को अर्जित कर उसकी अंतर्दृष्टि को प्रखर बनायेंगे।
9) अनुवाद के माध्यम से छात्र को विभिन्न भाषाओं की नवीनतम जानकारी प्राप्त होगी।
10) छात्रों को भूमंडलीकरण के युग में अनुवाद की रचनात्मक भूमिका का निर्वहण करना संभव होगा।
11) अनुवाद के माध्यम से छात्र को विश्व संस्कृति, विश्व बंधुत्व, एकता और समरसता स्थापित करने में सहयोग प्राप्त होगा।
12) छात्र अनुवाद से औपचारिकता और अनौपचारिकता से तकनीकी ज्ञान का उपयुक्त स्तर प्राप्त कर सकेंगे।
13) अनुवाद हिंदी पाठयक्रम के आधार पर छात्र अनुसंधान की प्रक्रिया से अधुनातन ज्ञान प्राप्त कर विकास कर सकेंगे।
14) राष्ट्रभाषा हिंदी के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषा मराठी का प्रचार-प्रसार करना भी इस पाठयक्रम का उद्देश्य है।

**पाठयक्रम की विशिष्ट निष्पत्ति (PSOs) :-**

1) छात्र अनुवाद के आधारभूत सिद्धांतों को ग्रहण कर, अनुप्रयोग करना सीखेंगे।
2) अनुवाद प्रक्रिया से छात्र अनुसृजन करना सीखेंगे।
3) विषय पर आधारित परिसंवाद द्वारा भाषिक कौशलों का विकास होगा।
4) अनुवाद के माध्यम से छात्र औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा ग्रहण कर समाज में सभी प्रकार के मूल्यों को स्थापित करने में सक्षम होगें।
5) अनुवाद हिंदी के माध्यम से पाठयक्रम की गुणवत्ता के आधारपर आत्मचेतना जागृत कर छात्र भावनात्मक विकास से जीवनयापन करने में आत्मनिर्भर होंगे।
6) अनुवाद हिंदी के माध्यम से छात्र अनुवाद द्वारा विभिन्न नवीनतम तकनीकी साधन उपकरणों के उपयोग हेतु निष्णात बनेंगे।
7) अनुवाद हिंदी की गुणवत्ता के आधार पर छात्र बौद्धिक क्षमता के विकास को प्राप्त कर सकेंगे।
8) छात्र अनुवाद कार्य का दृढ़संकल्प कर लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।
9) छात्र अनुवाद के माध्यम से विश्व ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में क्षेत्रीयवाद के संकुचित एवं सीमित दायरे से बाहर निकलकर मानवीय एवं भावनात्मक एकता के केन्द्रबिन्दु तक पहुँच सकेंगे।
10) छात्र अनुवाद के माध्यम से स्त्रोत-भाषा में अभिव्यक्त विचार, रचना अथवा सूचना साहित्य को यथा संभव मूल भावना के समानान्तर बोध एवं संप्रेषण के धरातल पर लक्ष्य-भाषा में अभिव्यक्त करने में कुशलता प्राप्त करेंगे।
11) छात्रों में मूल रचना का उद्देश्य और भाव समझ पाने का गुण विकसित होगा।

**पाठयक्रम की रोजगार विषयक संभावनाएँ** :-

आज का युग स्पर्धा का युग है। इस स्पर्धात्मक युग में अपने अस्तित्व को बनाये रखने हेतु हमें अपने आपको अधुनातन ज्ञान से परिपूर्ण रखना चाहिए। ज्ञान-विज्ञान के माध्यम से हम नित नये अविष्कारों की प्राप्ति करते हैं। ज्ञानार्जन के प्रभावी माध्यमों में से मुलभूत आधारों में एक है - अनुवाद। इस परिप्रेक्ष्य में संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती के हिंदी विभाग द्वारा अनुवाद हिंदी का पाठयक्रम चलाया जाता है। इस पाठयक्रम की विशेषताएँ कुछ इसप्रकार है -

1) केन्द्रीय सरकार की नौकरी प्राप्ति के अधिकतम अवसर प्राप्त होते है।
2) इसके माध्यम से छात्र अच्छे अनुवादक बन सकते हैं।
3) पाठयक्रम के द्वारा हिंदी साहित्य को पढ़कर, प्राध्यापक चयन के लिए सेट/नेट की परीक्षा के लिए पात्र हो सकते हैं एवं प्राध्यापक के पद पर नियुक्त हो सकते है।
4) नौकरी के साथ-साथ अनुवाद कार्य निजी रूप में कर सकते हैं।
5) स्वावलंबी बनने के सुअवसर प्राप्त होते हैं।
6) अनुवाद पाठयक्रम के द्वारा अनुवाद का तकनीकी ज्ञान सहज प्राप्त कर सकते हैं।
7) प्रयोजनमूलक हिंदी के अध्ययन के माध्यम से आपको पत्रकारिता, रेडिओ, दूरदर्शन आदि क्षेत्र में सेवा करने का सुअवसर मिलने की प्रबल संभावनाएँ हैं।
8) अनुवाद के क्षेत्र में अनुवादक को रोजगार प्राप्त होता है।
9) आकाशवाणी के क्षेत्र में हिंदी, मराठी तथा अंग्रेजी सामग्री के अनुवाद के माध्यम से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।
10) वर्तमान स्पर्धा के युग में भी कंपनियों के विज्ञापन, हिंदी स्लोगन भाषा शैली के अंतर्गत अनुवादक को रोजगार प्राप्त होता है।
11) विधि क्षेत्र-अंतर्गत न्यायिक सामग्री तथा प्रशासनिक सामग्री के अनुवाद अंतर्गत अनुवादक को रोजगार का शुभ अवसर मिल सकता है।
12) पत्रकारिता के विभिन्न प्रकारों के अंतर्गत अनुवादक की भूमिका को अहम माना जाता है, इसमें अनुवादक को रोजगार की कई तरह की सन्धियाँ मिलती हैं।
13) समाचार पत्र के क्षेत्र में तथा कार्यालय क्षेत्र के अंतर्गत अनुवादक को रोजगार मिलकर उनका भविष्य उज्ज्वल होता है।
14) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद अंतर्गत सामाजिक एवं भौतिक दोनों प्रकार के विषय आते हैं। इनमें मनोविज्ञान, व्यवहार विज्ञान, अर्थशास्त्र और इतिहास, राजनीति शास्त्र, समाजशास्त्र, पर्यावरण विज्ञान, भौतिक विज्ञान आदि विषयों को अनुवाद की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। इन सभी क्षेत्रों में अनुवादक को रोजगार के कई अवसर प्राप्त होते हैं।
15) साहित्यिक जगत में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसी कई प्रकाशन संस्थाएं है, जो श्रेष्ठ पुस्तकों के अनुवाद के लिए अनुवादक की मांग करती है। साहित्य अकादमी दिल्ली, राज्य स्तर की साहित्य अकादमी तथा साहित्य परिषद भी श्रेष्ठ पुस्तकों का अनुवाद करवाती है। इसके साथ ही श्रेष्ठ अनूदित कृति को विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा पुरस्कार भी दिए जाते हैं। यहां पर अनुवादक के रूप में रोजगार की काफी संभावना है।
16) मौखिक अनुवाद में दुभाषिएं के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र में बहुभाषा-भाषी के माध्यम से अनुवादक को रोजगार प्राप्त होता है।
17) फिल्मों की डबिंग, साहित्य से फिल्म बनाना, साहित्य से नाट्य रूपांतर करना आदि माध्यमों से भी अनुवादक को रोजगार का अवसर प्राप्त होता है।
18) छात्र विभिन्न शैक्षिक संस्थान,प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण केंद्र में शिक्षक, हिंदी प्रशिक्षक, प्राध्यापक आदि के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।
19) छात्र देश-विदेश में ट्रैवल एजेंट या टूरिस्ट गाइड के क्षेत्र में भी रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।
20) छात्र हिंदी राजभाषा अधिकारी के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं ।
21) इस यांत्रिक युग में छात्र ब्लॉग लेखन, तकनीकी लेखन एवं ऑफलाईन - ऑनलाइन लेखन आदि में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं ।
22) छात्र कवि, लेखक, कथाकार, नाटककार, साहित्यकार आदि के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।
23) छात्र रेडियो जॉकी और समाचार वाचक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं ।
24) छात्र पटकथा लेखन,संवाद लेखन, गीत लेखन आदि में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।
25) छात्र मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में समाचार लेखक, स्तंभ लेखक, संपादकीय, अतिथि संपादक, प्रूफ रीडर, विशेष विधा लेखन, वार्ता लेखन आदि के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।
26) छात्र भाषण लेखन तथा हिंदी अनुवादक के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं ।

27) छात्र निजी एवं सरकारी दफ्तरों में हिंदी अनुवाद के रूप में रोजगार प्राप्त कर सकते है।

28) छात्र को शिक्षा के क्षेत्र में अनुवाद के शुभ अवसर प्राप्त होते हैं।

अत: उपरोक्त विशेषताओं के आधार पर हम कह सकते हैं कि एम.ए.(अनुवाद हिंदी) पाठ्यक्रम बहुआयामी प्रतिभाओं के विकास में पूर्णत: सक्षम सिद्ध होता है। यु.जी.सी. के निर्देशानुसार एम.ए.(अनुवाद हिंदी) के अभिनव पाठ्यक्रम में प्रयोजनमूलक हिंदी के साथ-साथ अनुवाद का भी समावेश है, साथ ही हिंदी साहित्य के विशेष प्रश्नपत्रों को भी सेट/नेट के अभ्यासक्रमानुरूप स्थान दिया गया है, जैसे हिंदी साहित्य का इतिहास। इसी के साथ अनेक रोजगारोन्मुख वैकल्पिक प्रश्नपत्र प्रथमत: संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय ने इस पाठ्यक्रम में समाविष्ट किये हैं। चतुर्थ प्रश्नपत्र के अंतर्गत प्रयोजनमूलक हिंदी साथ ही भाषा शिक्षण का प्रश्नपत्र भी है,जिससे भाषा शिक्षण की पद्धति का सैद्धांतिक एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर, अध्यापन के सिद्धांतों का ज्ञान छात्र अर्जित कर सकते है एवं अध्यापकीय कौशल को प्राप्त कर सकते है। उसीप्रकार प्रयोजनमूलक हिंदी के द्वारा दूरसंचार, विदेश, बैंक, बीमा कंपनी तथा विविध केंद्रीय सरकार के कार्यालयों में राजभाषा अधिकारी,अनुवादकों का प्रतिष्ठापूर्ण पद प्राप्त किया जाना संभव है। फिल्म, पत्रकारिता, रेडिओ एवं दूरदर्शन के क्षेत्रों में भी छात्र प्रविष्ट होकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

इसीप्रकार एम.ए.भाग - 2 में अनुवाद के ऐतिहासिक संदर्भ के साथ ही साथ अनुवाद व्यवहार एवं वैकल्पिक प्रश्नपत्र के रूप में तृतीय प्रश्नपत्र में कोशविज्ञान एवं राजभाषा प्रशिक्षण तथा हिंदी साहित्य रखा गया है, जिनसे अनुवादक के साथ-साथ कोश निर्माता, राजभाषा अधिकारी एवं हिंदी-शिक्षक की नियुक्ति छात्रगण प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही साथ अनुवाद एवं साहित्य तथा भाषा में संशोधन कार्य भी किया जा सकता है। यह स्वयं सिद्ध मत है कि महाराष्ट्र में सिर्फ संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती में ही यह एम.ए.(अनुवाद हिंदी)का पाठ्यक्रम है, जो अपने आप में रोजगार प्रदान करने में एक नवीनतम दिशा प्रदान करनेवाला है। यहाँ अंग्रेजी और मराठी से हिंदी अनुवाद का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। अनेक विद्वतजनों के संभाषण एवं राष्ट्रीय सेमिनार तथा शिक्षा,अनुसंधान,विस्तार व विकास एवं अन्य सामाजिक शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी संपन्न होते हैं, जो कला संकाय के छात्रों के लिए रोजगार प्राप्ति का स्वर्णिम अवसर उपलब्ध करता है। शिष्यवृति के अतिरिक्त केंद्र सरकार की हिंदीतर भाषी शिष्यवृत्ति भी विद्यार्थियों को दी जाती है। विभाग में अनुसंधान कार्य होता है।

**संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती**

**वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी)**

**अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2022-2023**

**वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. अनुवाद हिंदी**

**भाग- अ (Part -A)**

**एम.ए. अनुवाद हिंदी**

**Course: M.A. (Translation Hindi) 518**

**तृतीय सत्र (Semester-III)**

| Sr. No. | Subject | Code of the Course/Subject | Title of the Course/Subject | (Total Number of Periods) | Credits |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | DSC-I | TH31 | अनुवाद:ऐतिहासिक संदर्भ एवं भाषा का सामाजिक संदर्भ | 60 तासिकाएँ | 4 |
| 2 | DSC-II | TH32 | अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान | 60 तासिकाएँ | 4 |
| 3 | DSC-III | TH33 | अनुवाद प्रायोगिक एवं व्यावहारिक कार्य | 60 तासिकाएँ | 4 |
| 4 | DSE-A | TH34 | आधुनिक हिंदी साहित्य का प्रवृतिमूलक व भाषागत परिचय | 60 तासिकाएँ | 4 |
| | DSE-B | TH35 | राजभाषा प्रशिक्षण | 60 तासिकाएँ | |
| | DSE-C | TH36 | कोश विज्ञान | 60 तासिकाएँ | |
| 5 | RP | TH401 | शोध प्रबंध(प्रकल्प) | 75 तासिकाएँ | 5 |
| 6 | SEC-1 | TH402 | तकनीकी एवं वैज्ञानिक क्षेत्र में हिंदी अनुवाद | 30 तासिकाएँ | 2 |
| 7 | SEC-2 | TH403 | प्रशासनिक मराठी भाषा का ज्ञानार्जन | 30 तासिकाएँ | 2 |
| | | | **कुल श्रेयांक** | - | 25 |

**सूचना :-**

1. DSC प्रश्नपत्र अनिवार्य होगा।
2. DSE वैकल्पिक प्रश्नपत्र है जिसमें से किसी एक प्रश्नपत्र का चयन करना होगा।
3. RP प्रश्नपत्र सत्र 3 या सत्र 4 इनमें से किसी एक सत्र के लिए अनिवार्य होगा।
4. SEC-1 और SEC-2 प्रश्नपत्र, सत्र 3 या सत्र 4 इनमें से किसी एक सत्र में लेने अनिवार्य होगा।

**तृतीय सत्र**

**अनिवार्य प्रश्नपत्र - DSC-I**

**अनुवाद: ऐतिहासिक संदर्भ एवं भाषा का सामाजिक संदर्भ**

**विषय सांकेतांक - TH31**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1) अनुवाद की पाश्चात्य ऐतिहासिक परंपरा की जानकारी से परिचित होंगे।
2) पाश्चात्य एवं भारतीय अनुवादकों के योगदान से प्रोत्साहित होंगे।
3) पाश्चात्य और भारतीय अनुवाद चिंतकों के सैद्धांतिक विचारों के ज्ञान से अवगत होंगे।
4) पाश्चात्य और भारतीय चिंतकों के सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से प्रयुक्त करने में सक्षम होंगे।
5) हिंदी भाषा के सामाजिक संदर्भ के व्यावहारिक प्रयोगों के उपयोग को समझेगें।

**गतिविधि** :-

1) पाश्चात्य एवं भारतीय अनुवादकों के सिद्धातों का अध्ययन करेंगे।
2) विभिन्न अनुवादकों के योगदान की शैलियों का विश्लेषण करेंगे।

| अ.क्र. | प्रश्नपत्र के घटक | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई-1 | पश्चिम में अनुवाद चिंतन की परंपरा एवं अनुवाद सिद्धांतों का विकास | 12 तासिकाएँ |
| इकाई-2 | भारतीय भाषाओं में अनुवाद चिंतन की परंपरा | 12 तासिकाएँ |
| इकाई-3 | अनुवाद के क्षेत्र में प्रमुख विद्वानों का योगदान<br>1) रघुनाथराव 2) रामचंद्र शुक्ल 3) हरिवंशराय बच्चन<br>4) डॉ. रघुवीर 5) रामधारीसिंह दिनकर 6) गोस्वामी तुलसीदास<br>7) डॉ.राजेंद्र प्रसाद 8) महादेवी वर्मा | 12 तासिकाएँ |
| इकाई-4 | अनुवाद चिंतन<br>१) जॉन ड्राइडन २) गुरुदेव रवींद्रनाथ 3) एडवर्ड फिड्जेराल्ड | 12 तासिकाएँ |
| इकाई-5 | भाषा का सामाजिक संदर्भ<br>१) भाषा का सामाजिक संदर्भ २) हिंदी का सामाजिक संदर्भ<br>(क) रिश्ते नाते की शब्दावली<br>ख) सर्वनाम और संबोधन रूप<br>(ग) कोड मिश्रण एवं कोड परिवर्तन | 12 तासिकाएँ |

**अंक विभाजन (तृतीय सत्र)** :-

| | | |
|---|---|---|
| 1) अतिलघूत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न | 20 x 1 | = 20 |
| २) दीर्घोत्तरी प्रश्न | 5 x 8 | = 40 |
| ३) लघूत्तरी प्रश्न | 5 x 4 | = 20 |
| | | ..... |
| | | 80 |

**आंतरिक मूल्यांकन** :-

प्रायोगिक कार्य -

1) पाश्चात्य एवं भारतीय अनुवादकों के अनुवाद का परिचय - 10
2) अन्य किसी भी भाषाओं के अनुवाद कार्य का परिचय - 10

.....
20

कुल अंक - 100

**सूचना** :-

1) संपूर्ण पाठ्यक्रम से बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गए सभी प्रश्न हल करना होगा।
2) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल आठ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।
3) पांचों इकाई से कुल आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

**संदर्भ ग्रंथ सूची :**


1) अनुवाद: त्रैमासिक (जुलाई-सितम्बर तथा ऑक्टोबर-दिसम्बर १९९८ का संयुक्त अंक) भारतीय अनुवाद परिषद
2) अनुवाद कला के मूलस्रोत संपादक- गार्गी गुप्त- राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
3) अनुवाद कला- विश्वनाथ अय्यर

**तृतीय सत्र**

**अनिवार्य प्रश्नपत्र - DSC-II**

**अनुवाद की समस्याएं एवं समाधान**

**विषय सांकेतांक - TH32**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1. साहित्यिक एवं साहित्येत्तर अनुवाद की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. साहित्यिक विधाओं के अनुवाद से परिचित होंगे।
3. साहित्येत्तर क्षेत्रों के अनुवाद की समस्याओं के लिए पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग करेंगे।
4. साहित्यिक एवं साहित्येत्तर क्षेत्रों के अनुवाद की समस्याओं को समझेंगे।
5. साहित्यिक एवं साहित्येत्तर क्षेत्रों के अनुवाद का निराकरण करेंगे।

**गतिविधि :**

1. साहित्यिक एवं साहित्येत्तर क्षेत्रों के अनुवाद का अभ्यास करेंगे।
2. विशेष क्षेत्र के अनुसार अनुवाद व्यवहार में भाषा का प्रयोग करना सीखेंगे।

| अ.क्र. | प्रश्नपत्र के घटक | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई - 1 | सर्जनात्मक साहित्य का अनुवाद एवं व्यवहार- साहित्य के अनुवाद की समस्याएं | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 2 | प्रमुख साहित्य रूपों के संबंध में कविता, कथा-साहित्य, नाटक-साहित्य,समीक्षा, अनुवाद व अनुसृजन ज्ञान के साहित्य का अनुवाद एवं व्यवहार | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 3 | सामाजिक विज्ञान और विधि अनुवाद एवं व्यवहार, प्रमुख सामाजिक विज्ञान(इतिहास, राजनीति, विज्ञान, दर्शन, अर्थशास्त्र, वाणिज्य) के सामग्री के अनुवाद की समस्याएं, विधि साहित्य के अनुवाद की समस्याएं | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 4 | प्रशासनिक अनुवाद की समस्याएं<br>तथा (बैंक, एल.आय.सी.,बीमा संबंधी) अनुवाद एवं व्यवहार, राजभाषा हिंदी की प्रशासनिक शब्दावली | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 5 | कार्यालयीन सामग्री (टिप्पणी, आलेख, प्रारूप, प्रतिवेदन, कार्यालयीन पत्रादि) के अनुवाद की समस्याएँ | 12 तासिकाएँ |

**अंक विभाजन (तृतीय सत्र)**

| | | |
|---|---|---|
| 1) अतिलघूत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न | 20 x 1 | = 20 |
| २) दीर्घोत्तरी प्रश्न | 5 x 8 | = 40 |
| ३) लघूत्तरी प्रश्न | 5 x 4 | = 20 |
| | | ..... |
| | | 80 |

**आंतरिक मूल्यांकन -**

| | |
|---|---|
| १) प्रायोगिक कार्य (अनुवाद हिंदी से मराठी) | 10 अंक |
| २) प्रयुक्ति विशेष से संबंधित अनुवाद कार्य | 10 अंक |
| किसी एक ( अंग्रेजी से हिंदी) | ----- |
| | 20 |

कुल अंक - 100

**सूचना -**

1) संपूर्ण पाठ्यक्रम से बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गए सभी प्रश्न हल करना होगा।
2) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल आठ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।
3) पांचों इकाई से कुल आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

**संदर्भ ग्रंथ सूची :-**


1) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान - मनोहर सराफ, डॉ.शिवाकरण गोस्वामी, विद्या प्रकाशन गोविन्द नगर, कानपूर.
2) अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी- शब्दकार, गरु अंगद नगर, दिल्ली
3) अनुवाद भाषाएँ - समस्याएँ - एन.ई.विश्वनाथ अमरज्ञान गंगा-चावजी बाजार, दिल्ली.
4) प्रारंभिक अनुवाद विज्ञान सिध्दांत और प्रयोग - अवधेश मोहन गुप्त - सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली
5) अनुवाद प्रक्रिया - रीतारानी पालीवाल - साहित्य तिथि, विश्वासनगर, शाहदरा, दिल्ली-32
6) अनुवाद- सिध्दांत एवं स्वरुप - मनोहर तथा शिवाकान्त गोस्वामी, विद्या प्रकाशन, कानपूर-6

7) अनुवाद सिध्दांत और प्रयोग- जी गोपीनाथ - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद -1
8) अनुवाद सिध्दांत की रुपरेखा - सुरेश कुमार - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2
9) अनुवाद- सिध्दांत और समस्याएँ - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली-32
10) कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल
11) अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
12) भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
13) भाषा विज्ञान - सं.राजमल बोरा
14) High school English grammer - Wren and martin
15) शब्द ATR 01 BOOK 2, 3
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पुस्तकें
16) हिन्दी भाषा - भोलानाथ तिवारी
17) राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम - शंकर बुंदेले

**तृतीय सत्र**

**अनिवार्य प्रश्नपत्र- DSC-III**

**अनुवाद प्रायोगिक एवं व्यावहारिक कार्य**

**विषय सांकेतांक - TH33**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1. छात्र अनुवाद के माध्यम से साहित्यिक और साहित्येतर क्षेत्र की भाषा तकनीक को जानेगे।
2. अनुवाद की समतुल्य अभिव्यक्ति की पद्धति को आत्मसात करेंगे।
3. प्रादेशिक भाषा (मराठी) को उन्नत करने हेतु हिंदी अनुवाद एक सशक्त माध्यम सिद्ध होगा।
4. छात्र तकनीकी तथा वैज्ञानिक क्षेत्र के अनुवाद कार्य हेतु प्रोत्साहित होकर सक्षम अनुवादक बनने में सफल होंगे।
5. अनुवाद में रचयिता तथा पुनर्गठन की प्रक्रिया को व्यवहार में लायेंगे।

**गतिविधि :-**

1) पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग करेंगे।

2) शैलीगत अनुवाद का प्रयोग करेंगे।

| **अ.क्र.** | **प्रश्नपत्र के घटक** | **तासिकाएँ** |
|---|---|---|
| इकाई - 1 | अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद व्यवहार | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 2 | हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद व्यवहार | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 3 | मराठी से हिंदी अनुवाद व्यवहार | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 4 | हिंदी से मराठी अनुवाद व्यवहार | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 5 | वस्तुनिष्ठ प्रश्न- सामान्य हिंदी - सामान्य अंग्रेजी से प्रश्न पूछे जायेगे | 12 तासिकाए |
| | निम्नलिखित क्षेत्रों में से उपर्युक्त चार इकाईयों के लिए पेपर में अनुवाद के अवतरण लेना अनिवार्य होगा।<br>क्षेत्र - 1. साहित्यिक अनुवाद 2. साहित्येत्तर अनुवाद<br>1. साहित्यिक- कथा, कहानी, नाटक, निबंध, कविता, उपन्यास, रेखाचित्र, संस्मरण,यात्रावृत्तांत, समीक्षा, संक्षिप्त अनुवाद (सारानुवाद- मराठी से हिंदी)<br>2. साहित्येत्तर - कार्यलयीन, प्रशासनिक(पत्र), तकनीकी, इतिहास, समाज-विज्ञान,गणित विज्ञान, राजनितिशास्त्र, दर्शनशास्त्र, पर्यावरण, शिक्षा, मानविकी वाणिज्य (बैंक,बीमा,अर्थशास्त्र), सर्जनात्मक साहित्य,जनसंचार माध्यम (दृश्य-श्रव्य माध्यमों में लेखन, मीडिया लेखन, पटकथा लेखन) | |

**अंक विभाजन (तृतीय सत्र)** :-

| | |
|---|---|
| १) इकाई - 1. अवतरण | 10 x 3 = 30 |
| २) इकाई - 2. अवतरण | 5 x 2 = 10 |
| ३) इकाई - 3. अवतरण | 5 x 2 = 10 |
| 4) इकाई - 4. अवतरण | 5 X 2 = 10 |
| 5) इकाई - 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न | 20 X 1 = 20 |
| | ------ |
| | कुल अंक- 80 |

**आंतरिक मूल्यांकन - प्रायोगिक कार्य**

| | |
|---|---|
| १) निबंध - अंग्रेजी और हिंदी | 10 अंक |
| २) अवतरण - हिंदी से मराठी | 10 अंक |
| | ------ |
| | 20 अंक |

कुल अंक - 100

**सूचना-**

1. इकाई एक से कुल पांच अवतरण पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। इस इकाई के अवतरण के लिए 300 शब्दों का अवतरण होना अनिवार्य है।
2. इकाई दो से कुल चार अवतरण पूछे जायेंगे जिनमें से दो प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। इस इकाई के अवतरण के लिए 100 शब्दों का अवतरण होना अनिवार्य है।
3. इकाई तीन से कुल दो अवतरण पूछे जायेंगे जिसमें से एक हल करना अनिवार्य होगा। इस इकाई के अवतरण के लिए 100 शब्दों का अवतरण होना अनिवार्य है।
4. इकाई चार से कुल दो अवतरण पूछे जायेंगे जिसमें से एक हल करना अनिवार्य होगा। इस इकाई के अवतरण के लिए 100 शब्दों का अवतरण होना अनिवार्य है।
5. इकाई पांच से कुल बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिसमें सामान्य अंग्रेजी-सामान्य हिंदी से वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे।

**विशेष -** छात्रों को एम.ए. ((अनुवाद हिंदी) भाग-२ के प्रश्नपत्र २ के लिए परीक्षा भवन में कोश ग्रंथों **(Dictionary)** के उपयोग की छूट होगी।

**तृतीय सत्र**

**वैकल्पिक प्रश्नपत्र - I, DSE-A**

**आधुनिक हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक एवं भाषागत परिचय**

**विषय संकेतांक - TH34**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1. आधुनिक हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं का परिचयात्मक अध्ययन करेंगे।
2. आधुनिक हिंदी साहित्य की भाषागत विशेषताओं से अवगत होंगे।
3. आधुनिक हिंदी साहित्य के साहित्यकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।
4. सृजनात्मक लेखन शैली में सक्षम बनेंगे।
5. साहित्यिक कला- कौशल को आत्मसात करेंगे।

**गतिविधि :-**

1. सृजनात्मक लेखन का अभिव्यक्तीकरण एवं प्रस्तुतीकरण।
2. सृजनात्मक लेखन का अभ्यास एवं प्रयोग।

| **अ.क्र.** | **प्रश्नपत्र के घटक** | **तासिकाएँ** |
|---|---|---|
| इकाई- 1 | आधुनिक हिंदी साहित्य की विविध विधाओं ( कविता, उपन्यास, नाटक, कहानी एवं निबंध) का परिचयात्मक अध्ययन एवं भाषागत विशेषताएँ -<br>काव्य- १.कामायनी (श्रध्दा,स्वप्न) जयशंकर प्रसाद<br>२. बालसतसई - डॉ. परशुराम शुक्ल | 12 तासिकाएँ |
| इकाई- 2 | उपन्यास:- १. रंगभूमि - प्रेमचंद<br>२. बूंद और समुद्र - अमृतलाल नागर | 12 तासिकाएँ |
| इकाई- 3 | नाटक :- १. ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद<br>२. लहरों के राजहंस - मोहन राकेश | 12 तासिकाएँ |
| इकाई- 4 | कहानियाँ :- १. पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद<br>२. वापसी - उषा प्रियवंदा<br>३. जहाँ लक्ष्मी कैद है- राजेंद्र यादव | 12 तासिकाएँ |
| इकाई- 5 | निबंध :- १. श्रद्धा-भक्ति- आ. रामचंद्र शुक्ल<br>२. नाखून क्यों बढ़ते हैं -हजारी प्रसाद द्विवेदी | 12 तासिकाएँ |

**अंक विभाजन ( तृतीय सत्र)** :-

| | |
|---|---|
| 1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघूत्तरी प्रश्न | 20 x 1 = 20 |
| 2) संदर्भ सहित व्याख्या | 2 x 8 = 16 |
| 3) आलोचनात्मक प्रश्न | 4 x 8 = 32 |
| 4) लघूत्तरी प्रश्न | 3 x 4 = 12 |
| | --- |
| | कुल अंक- 80 |

**आंतरिक मूल्यांकन** :-

**प्रायोगिक कार्य:-**

1) साहित्यकार का जीवन परिचय (किसी-दो) 10 अंक
2) किसी - भी साहित्यिक विधा के एक कृति का विश्लेषणात्मक प्रस्तुतीकरण 10 अंक

---

कुल अंक- 100

**प्रश्नपत्र का स्वरूप :**

प्रश्न 1. संपूर्ण पाठयक्रम से बीस अतिलघूत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेगें दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

प्रश्न 2. इकाई - १ से कामायनी तथा पंचवटी, इकाई-२ से रंगभूमि तथा बूंद और समुद्र से और इकाई 3 से ध्रुवस्वामिनी तथा लहरों के राजहंस पाठ्यपुस्तकों से एक-एक पद्यांश और गद्यांश (कुल-4) की व्याख्या पूछी जाएगी, जिनमें से दो व्याख्या करनी पड़ेगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए ८ अंक होगे।

प्रश्न 3. इकाई १,२ तथा ३ से प्रत्येकी २-२ दीर्घोत्तरी प्रश्न (कुल ६) प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से - किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा।

प्रश्न 4. पाँचों इकाई से कुल छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

**संदर्भ ग्रंथ सूची** :-

१) चिन्तामणी आ. रामचंद्र शुक्ल
२) श्रेष्ठ कहानियाँ - मन्नू भंडारी
३) प्रतिनिधि कहानियाँ- राजेन्द्र यादव
४) कहानी विविधा - देवीशंकर अवस्थी
५) मानसरोवर - प्रेमचंद
६) कल्पलता- हजारीप्रसाद द्विवेदी
७) परसाई रचनावली- भाग - ३
**8**) हिंदी रामकाव्य में भगवान राम का चरित्र - शंकर बुंदेले
९) प्रेमचंद कथा साहित्य - समीक्षा और मूल्यांकन - धर्मध्वज त्रिपाठी
१०) हिंदी नाटक : मूल्य चिंतन और रंगदृष्टि, ओमप्रकाश सारस्वत
११) मोहन राकेश और उनके नाटक - गिरिश रस्तोगी
१२) हिंदी कहानी प्रक्रिया और पाठ, सुरेंद्र चौधरी, दिनकर सं. सावित्री सिन्हा
13) सतसई परंपरा और बाल सतसई - संगीता जगताप
14) डॉ. परशुराम शुक्ल कृत बाल सतसई का अनुशीलन- रेखा धुराटे, श्वेतवर्णा प्रकाशन,दिल्ली

**तृतीय सत्र**

**वैकल्पिक प्रश्नपत्र - II, DSE-B**

**राजभाषा प्रशिक्षण**

**विषय संकेतांक - TH35**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1. छात्र राजभाषा और राष्ट्रभाषा के अंतर को समझेंगे।
2. छात्र राजभाषा के संवैधानिक प्रावधानों की महत्तम जानकारी हासिल करेंगे।
3. छात्र राष्ट्रभाषा के प्रचार- प्रसार से सम्बंधित संस्थाओं के कार्य से परिचित होंगे।
4. छात्र देवनागरी लिपि की तकनीकी जानकारी प्राप्त करेंगे।
5. छात्र राजभाषा के प्रशासनिक कौशल को समग्र रूप से ग्रहण करेंगे।
6.

**गतिविधि** :-

1) विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों का आयोजन करना।
2) अहिंदी क्षेत्र में विभागीय कार्यक्रमों के अंतर्गत राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा का प्रचार-प्रसार करना।।

| **अ.क्र.** | **प्रश्नपत्र के घटक** | **तासिकाएँ** |
|---|---|---|
| इकाई-1 | प्रशासन व्यवस्था और भाषा। भारत की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता। | 12 तासिकाएँ |
| इकाई- 2 | राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान, राजभाषा अधिनियम ( अनुच्छेद 343 से 351 तक), राष्ट्रपति के आदेश (1952, 1955, 1960), राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित 1967), राजभाषा संकल्प (1968) (यथानुमोदित 1961), राजभाषा नियम 1976 | 12 तासिकाएँ |
| इकाई- 3 | द्विभाषा नीति और त्रिभाषा सूत्र। हिंदीत्तर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिंदी की स्थिति। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी। हिंदी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की भूमिका। हिंदी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्याएं। | 12 तासिकाएँ |
| इकाई- 4 | हिंदी कम्प्यूटीकरण। भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का भविष्य | 12 तासिकाएँ |
| इकाई- 5 | हिंदी संकेताक्षर और कूटपद निर्माण। हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी परिभाषिक शब्दावली| | 12 तासिकाएँ |

**अंक विभाजन (तृतीय सत्र)** :-

| | | |
|---|---|---|
| 1) **अतिलघूत्तरी** / वस्तुनिष्ठ प्रश्न | 20 x 1 | = 20 |
| २) दीर्घोत्तरी प्रश्न | 5 x 8 | = 40 |
| ३) लघूत्तरी प्रश्न | 5 x 4 | = 20 |
| | | ..... |
| | | **80** |

**आंतरिक मूल्यांकन** :-

**प्रायोगिक कार्य :-**

1) केंद्र/राज्य सरकार के कार्यालय में भाषा प्रयोग के संदर्भ में सर्वेक्षण(प्रश्नावली द्वारा) 10 अंक

2) सर्वेक्षण की रिपोर्ट - प्रस्तुतीकरण 10 अंक

---

कुल अंक - 100

**सूचना** :-

1) संपूर्ण पाठ्यक्रम से बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गए सभी प्रश्न हल करना होगा।
2) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल आठ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।
3) पांचों इकाई से कुल आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

**संदर्भ ग्रंथ सूची** :-

1) हिन्दी में व्यवहारिक अनुवाद- आलोक कुमार रस्तोगी - सुमित पब्लिकेशन, दिल्ली-6

**तृतीय सत्र**

**वैकल्पिक प्रश्नपत्र-III, DSE-C**

**कोश विज्ञान**

**विषय सांकेतांक - TH36**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1. कोश के बहुभाषायी उपयोग के ज्ञान से अवगत होंगे।
2. भाषाविज्ञान के विभिन्न अंतर्भूत तत्वों के अनुप्रयोग से परिचित होंगे।
3. कोश-निर्माण प्रक्रिया के विभिन्न पक्षों को समझने में सक्षम बनेंगे।
4. छात्र कोश के प्रकारों से शब्दों के अर्थग्रहण और अर्थनिर्धारण करने में निपुण होंगे।
5. कोश की समस्याओं से अवगत होकर अध्येता को निराकरण करने की अंतदृष्टि प्रदान होगी।

**गतिविधि** :-

1) कोश के विभिन्न प्रकारों का अध्ययन करना।

2) बहुभाषिक कोश के अंतर्गत शब्दप्रयोग का व्यवहार में प्रयोग करना।

| अ.क्र. | प्रश्नपत्र के घटक | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई - 1 | कोश, परिभाषा और स्वरूप। कोश की उपयोगिता। कोश और व्याकरण का अंतःसंबंध। | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 2 | कोश के भेद - समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोश, एककालिक और कालक्रमिक कोश, विषय कोश, पारिभाषिक कोश, व्युत्पत्ति कोश, समांतर कोश, अध्येता कोश, विश्वकोश, बोली कोश। | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 3 | कोश निर्माण की प्रक्रिया :- सामग्री संकलन प्रविष्टिक्रम, व्याकरणिक कोटि उच्चारण | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 4 | कोश निर्माण की प्रक्रिया :- व्युत्पत्ति अर्थ (पर्याय, व्याख्या, चित्र) प्रयोग उप-प्रविष्टियाँ, संदर्भ और प्रतिसंदर्भ। | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 5 | कोश-निर्माण, विज्ञान या कला। | 12 तासिकाएँ |

**अंक विभाजन (तृतीय सत्र)** :-

| | | |
|---|---|---|
| 1) अतिलघूत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न | 20 x 1 | = 20 |
| २) दीर्घोत्तरी प्रश्न | 5 x 8 | = 40 |
| ३) लघूत्तरी प्रश्न | 5 x 4 | = 20 |
| | | ..... |
| | | 80 |

**आंतरिक मूल्यांकन** :-

प्रायोगिक कार्य :-

1) विशिष्ट क्षेत्र की पारिभाषिक शब्दावली प्रस्तुतीकरण - 10
2) ज्ञानकोश में उपलब्ध शब्दों का प्रस्तुतीकरण - 10

---

कुल अंक - 100

**सूचना** :-

1) संपूर्ण पाठ्यक्रम से बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गए सभी प्रश्न हल करना होगा।

2) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल आठ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

3) पांचों इकाई से कुल आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

**संदर्भ ग्रंथ सूची** :-


1. कोश विज्ञान - तिवारी भोलानाथ
2. कोश विज्ञान - वर्मा देवेंन्द्र
3. कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश - गुप्ता विक्रम, दर्शन पाण्डेय, संजय प्रकाशन नई दिल्ली भारत
4. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान कोश - कन्हैयालाल वैचारिक वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग मानव संसाधन विकास मंत्रालय,भारत सरकार-1988
5. कोश विज्ञान-कोश - शेहरा सतीश कुमार, पीतांबर, केन्द्रीय संस्थान, आगरा
6. भाषा विज्ञान कोश - तिवारी भोलानाथ

**तृतीय सत्र**

**प्रश्नपत्र - V**

**Research Project (RP)**

**शोध प्रबंध (प्रकल्प)**

**विषय सांकेतांक - TH401**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1. ज्ञात से अज्ञात की ओर पहल करेंगे।
2. छात्रों की खोजी प्रकृति विकसित होगी।
3. अनुसंधान के संसाधनों का प्रयोग करेगा।
4. छात्र सामग्री विश्लेषण की संकल्पना को पूर्ण करने में निष्णांत बनेंगे।
5. वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्र में अनुसंधान की प्रवृत्ति विकसित होंगी।

**गतिविधि :**

1- शोध प्रबंध कार्य पूर्ण करना।

**2-** शोध प्रबंध कार्य की मौखिकी देना।

| अ.क्र. | प्रश्नपत्र के घटक | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| 1 | शोध प्रबंध- संकल्पनात्मक परिचय, स्वरूप | 15 तासिकाएँ |
| 2 | शोध प्रबंध- विषय चयन, पूर्वतयारी, रूपरेखा | 15 तासिकाएँ |
| 3 | शोध प्रबंध- जानकारी संकलन/सामग्री संकलन | 15 तासिकाएँ |
| 4 | शोध प्रबंध- जानकारी अध्ययन एवं विश्लेषण | 15 तासिकाएँ |
| 5 | शोध प्रबंध- अहवाल लेखन | 15 तासिकाएँ |

**सूचना - शोध प्रबंध कार्य के लिए निम्नांकित विषय दिए गए है।**

1. राजकीय, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक दृष्टि से अनुवाद का महत्व उपयोगिता
2. अनुवाद के क्षेत्रों का विवेचनात्मक अध्ययन
3. सामाजिक, सांस्कृतिक शैली का तथा अननुवादयता के संदर्भ में अनुवाद की सीमाओं का विश्लेषण
4. अनुवाद सिद्धांतों का विवेचनात्मक अध्ययन
5. यथोचित अनुवाद में अनुवाद के प्रकारों का महत्व
6. अनुवाद के साधन/ उपकरणों की उपयोगिता
7. वर्तमान में मशीनी अनुवाद के गुण-दोषों का विवेचन
8. बहुभाषिकता के संदर्भ में आशु अनुवादक और अनुवादक की भूमिका
9. अनुवाद: पुनरीक्षण, मूल्यांकन, संपादन तथा समीक्षा की महत्ता
10. अनुवाद में भाषा का-सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ
11. अनुवाद और भाषा विज्ञान तुलनात्मक अनुपयुक्त और व्यतिरेकी भाषा-विज्ञान
12. भाषा में शब्दों की उपयोगिता
13. हिंदी और अंग्रेजी के वाक्य विन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन
14. अंग्रेजी-हिंदी का व्यतिरेकी विश्लेषण
15. हिंदी साहित्य का इतिहास : एक पुनर्दृष्टि
16. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समाज को प्रदेय : कबीर साहित्य
17. सूरदास का भ्रमरगीतसार : एक विश्लेषण
18. समन्वयवादी तुलसीदास : एक विश्लेषण
19. समाज उत्थान में भक्तिकालीन कवियों का योगदान
20. रीतिकालीन कवियों की सामाजिक चेतना
21. नवजागरण काल के कवियों की भूमिका
22. साहित्यिक गद्य-पद्य विधाओं (किसी एक) का विश्लेषण
23. भाषा शिक्षण में भाषा के प्रकारों का विश्लेषण
24. भाषा शिक्षण में उपयोगी साधन सामग्री का विश्लेषण
25. भाषा कौशल और उसके विकास का अध्ययन
26. योग्यता प्राप्ति के लिए भाषा कौशल का महत्व
27. भाषा शिक्षण में व्यतिरेकी और त्रुटि विश्लेषण का महत्व
28. अधुनातन उपकरणों के माध्यम से हिंदी शिक्षण का अध्ययन

29. भाषा शिक्षण में निदानात्मक और उपचारात्मक विधियां
30. सामान्य भाषा से राजभाषा के विशिष्ट शब्दों का अंतर
31. कार्यालयीन हिंदी - प्रयुक्ति की शब्दावली
32. संप्रति भाषा नीति
33. संविधान में उल्लेखित प्रशासनिक दृष्टि से हिंदी के क्षेत्र क,ख,ग
34. यूनिकोड की वर्तमान स्थिति (विभिन्न कुंजीपटलों के संदर्भ में)
35. प्रकाशन व वेब प्रकाशन में आवश्यक साधन (word processing,Data processing Font प्रबंधन, तकनीकी व पद्धति)
36. साइबर क्राइम और कानून
37. दृश्यों का विवरण और उसका संवादों में रूपांतरण
38. त्योहारों पर SMS लेखन
39. जनसंपर्क कार्यक्रमों की योजना
40. सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में जनसंपर्क का उद्देश्य
41. सरकारी उद् घोषणाओं (चेतावनी ,सलाह एवं सुझाव) का अनुवाद
42. वर्गीकृत विज्ञापन, दंड,शक्तियों,निविदाएं, हैंडबॉल,महाविद्यालयीन सूचनाओं के अनुवाद
43. संक्षिप्त पुस्तक परिचय
44. अनुवादक के अनुवाद - कार्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन
45. साहित्यिक क्षेत्रों के अनुवाद की समस्याओ का निराकरण
46. साहित्येतर क्षेत्रों के अनुवाद की समस्याओं का निराकरण
47. अनूदित कृतियो (हिंदी,मराठी,,अंग्रेजी) का विश्लेषणात्मक अध्ययन
48. हिंदी साहित्य में बाल-साहित्य का समाज प्रदेय
49. बाल सतसई की मनोवैज्ञानिक विश्लेषण
50. विविध विमर्श का विश्लेषणात्मक अध्ययन (स्त्री,दलित, बाल, पुरूष,किन्नर)
51. पर्यावरण जागृती में हिंदी साहित्यकारों का योगदान
52. पर्यावरण संवर्धन में हिंदी साहित्यकारों का योगदान
53. जनसंचार माध्यम और पर्यावरण
54. अनूदित लोकसाहित्य का विश्लेषण
55. फिल्म डबिंग में अनुवाद एक विश्लेषणात्मक अध्ययन
56. विज्ञापन डबिंग में अनुवाद का महत्व
57. अनुवाद के संदर्भ में कोश विज्ञान की उपादेयता
58. साहित्यिक क्षेत्रों के कोश का विश्लेषणात्मक अध्ययन
59. साहित्येतर क्षेत्रों के कोश का विश्लेषणात्मक अध्ययन
60. भाषा के संदर्भ में ज्ञान कोश की उपादेयता
61. अध्येता कोश विश्लेषणात्मक अध्ययन

| **अ.क्र.** | **प्रश्नपत्र के घटक** | **कुल अंक** | **तासिकाएँ** |
|---|---|---|---|
| 1 | १) शोध प्रबंध कार्य विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट शिक्षक की देखरेख में -<br>क) किसी प्रयुक्ति विशेष के कम से कम 30 पृष्ठ (एक पृष्ठ में 300 शब्द होना अनिवार्य है)<br>ख) विश्वविद्यालय द्वारा दिए गए विषय लेना अनिवार्य है। | **60 अंक** | 75 तासिकाएँ |
| 2 | मौखिकी - शोध प्रबंध कार्य से संबंधित विषय पर प्रश्न | **40 अंक** | |
| | | **100 अंक** | |

**संदर्भग्रंथ सूची :-**


1) अनुवाद भाषाएं समस्याएँ-एन.ई. विश्वनाथ अय्यर
2) साहित्यानुवाद संवाद और संवेदना - आरसु
3) काव्यानुवाद की समस्याएं - भोलानाथ तिवारी, महेन्द्र चतुर्वेदी
4) भारतीय भाषाएं और हिंदी अनुवाद, समस्या- समाधान - सं. कैलाशचंद्र भाटिया
5) राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएं - हरिमोहन
6) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएं - भोलानाथ तिवारी
7) अनुवाद की समस्याएं - स. जी. गोपीनाथन एस गोस्वामी
8) कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं -भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल गुलाटी

9) बैंकों में अनुवाद प्रविधि- सीता कुंचित पादम
10) कार्यालयी अनुवाद निदेशिका - जी.गोपीनाथ, श्रीवास्तव
11) अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
12) अनुवाद सिद्धांत और समस्याएं - रवीद्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी
13) अनुवाद: सिद्धात एवं अनुप्रयोग - नगेद्र
14) वृहद प्रशासन शब्दावली Glossary administrative Terms (मानव संसाधन विकास शिक्षा विभाग)
15) कार्यालय सहायिका केन्द्रीय सचिवालय हिंदी परिषद दिल्ली, मूल संपादक, हरिबाबू कंसले

**तृतीय सत्र**

**प्रश्नपत्र - VI**

**SEC -1 - Tutorial**

**तकनीकी एवं वैज्ञानिक क्षेत्र में अनुवाद हिंदी**

**विषय सांकेतांक - TH402**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1. अनुवाद को व्यक्ति केंद्रित कार्य से आगे ले जाकर समूह केंद्रित बनायेंगे।
2. नये-नये शब्दों के मानकीकरण की प्रक्रिया को गति मिलेंगी।
3. अनुवादक विषय-वस्तु संबंधित प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।
4. विषय-वस्तु का समग्र ज्ञान हासिल करेंगे।
5. तकनीकी एवं वैज्ञानिक क्षेत्र में हिंदी का भाविष्य उज्ज्वल होगा।

| अ.क्र. | प्रश्नपत्र के घटक | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई 1 | तकनीकी एवं वैज्ञानिक क्षेत्र का अर्थ<br>परिभाषा, महत्व, सीमा, विशेषताएं | 15 तासिकाएँ |
| इकाई 2 | पारिभाषिक शब्दावली, अनुवाद की आवश्यकता | 15 तासिकाएँ |

| अ.क्र. | लिखित-निबंध / स्वाध्याय / प्रस्तुतीकरण | मौखिक परीक्षा | कुल गुण |
|---|---|---|---|
| 1 | 40 | 10 | 50 |

**संदर्भग्रंथ :-**


1) हिन्दी में व्यवहारिक अनुवाद- आलोक कुमार रस्तोगी - सुमित पब्लिकेशन, दिल्ली-6
2) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान - मनोहर सराफ, डॉ.शिवाकरण गोस्वामी, विद्या प्रकाशन गोविन्द नगर, कानपूर.
3) अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी- शब्दकार, गरु अंगद नगर, दिल्ली
4) अनुवाद भाषाएँ - समस्याएँ - एन.ई.विश्वनाथ अमरज्ञान गंगा-चावजी बाजार, दिल्ली.
5) प्रारंभिक अनुवाद विज्ञान सिध्दांत और प्रयोग - अवधेश मोहन गुप्त - सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली
6) अनुवाद प्रक्रिया - रीतारानी पालीवाल - साहित्य तिथि, विश्वासनगर, शाहदरा, दिल्ली-32
7) अनुवाद- सिध्दांत एवं स्वरुप - मनोहर तथा शिवाकान्त गोस्वामी, विद्या प्रकाशन, कानपूर-6
8) अनुवाद सिध्दांत और प्रयोग- जी गोपीनाथ - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद -1
9) अनुवाद सिध्दांत की रुपरेखा - सुरेश कुमार - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2
10) अनुवाद- सिध्दांत और समस्याएँ - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली-32
11) कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल
12) अनुवाद कला - अय्यर एन.ई.विश्वनाथ - प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2002
13) साहित्यानुवाद- संवाद और संवेदना - अढाउ उदय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली - 2, 2001

**तृतीय सत्र**

**प्रश्नपत्र - VII**

**SEC-2 - Tutorial**

**प्रशासनिक मराठी भाषा का ज्ञानार्जन**

**विषय सांकेतांक - TH403**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1) छात्रों को प्रशासनिक मराठी भाषा का परिचय होगा।

2) छात्र प्रशासनिक मराठी भाषा की उपयोगिता समझेंगे।

3) छात्र प्रशासनिक मराठी भाषा का अनुप्रयोग कर सकेंगे।

4) प्रशासनिक मराठी की पारिभाषिक शब्दावली का ज्ञान होगा।

| अ.क्र. | प्रश्नपत्र के घटक | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई 1 | प्रशासनिक मराठी भाषा : अर्थ ,परिभाषा<br>प्रशासनिक मराठी भाषा का महत्व ,विशेषताएँ | 15 तासिकाएँ |
| इकाई 2 | प्रशासनिक मराठी भाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष<br>प्रशासनिक मराठी भाषा की पारिभाषिक शब्दावली | 15 तासिकाएँ |

| अ.क्र. | लिखित-निबंध / स्वाध्याय / प्रस्तुतीकरण | मौखिक परीक्षा | कुल गुण |
|---|---|---|---|
| 1 | 40 | 10 | 50 |

**संदर्भग्रंथ :-**


1) हिन्दी में व्यवहारिक अनुवाद- आलोक कुमार रस्तोगी - सुमित पब्लिकेशन, दिल्ली-6

2) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान - मनोहर सराफ, डॉ.शिवाकरण गोस्वामी, विद्या प्रकाशन गोविन्द नगर, कानपूर.

3) अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी- शब्दकार, गरु अंगद नगर, दिल्ली

4) अनुवाद भाषाएँ - समस्याएँ - एन.ई.विश्वनाथ अमरज्ञान गंगा-चावजी बाजार, दिल्ली.

5) प्रारंभिक अनुवाद विज्ञान सिध्दांत और प्रयोग - अवधेश मोहन गुप्त - सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली

6) अनुवाद प्रक्रिया - रीतारानी पालीवाल - साहित्य तिथि, विश्वासनगर, शाहदरा, दिल्ली-32

7) अनुवाद- सिध्दांत एवं स्वरुप - मनोहर तथा शिवाकान्त गोस्वामी, विद्या प्रकाशन, कानपूर-6

8) अनुवाद सिध्दांत और प्रयोग- जी गोपीनाथ - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद -1

9) अनुवाद सिध्दांत की रुपरेखा - सुरेश कुमार - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2

10) अनुवाद- सिध्दांत और समस्याएँ - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली-32

11) कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल

12) अनुवाद कला - अय्यर एन.ई.विश्वनाथ - प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2002

13) साहित्यानुवाद- संवाद और संवेदना - अढाउ उदय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली - 2, 2001

**संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती**

**वाङ्मय पारंगत (अनुवाद हिंदी)**

**अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2022-2023**

**वाङ्मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. अनुवाद हिंदी**

**भाग- ब (Part - B)**

**एम.ए. अनुवाद हिंदी**

**Course: M.A. (Translation Hindi) 518**

**चतुर्थ सत्र (Semester-IV)**

| Sr. No. | Subject | Code of the Course/Subject | Title of the Course/Subject | (Total Number of Periods) | Credits |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | DSC-I | TH41 | अनुवाद:ऐतिहासिक संदर्भ एवं भाषा का सामाजिक संदर्भ | 60 तासिकाएँ | 4 |
| 2 | DSC-II | TH42 | अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान | 60 तासिकाएँ | 4 |
| 3 | DSC-III | TH43 | अनुवाद प्रबंध / विनिबंध एवं मौखिकी | 60 तासिकाएँ | 4 |
| 4 | DSE-A | TH44 | आधुनिक हिंदी साहित्य का प्रवृतिमूलक व भाषागत परिचय | 60 तासिकाएँ | 4 |
| | DSE-B | TH45 | राजभाषा प्रशिक्षण | 60 तासिकाएँ | |
| | DSE-C | TH46 | कोश विज्ञान | 60 तासिकाएँ | |
| 5 | RP | TH401 | शोध प्रबंध (प्रकल्प) | 75 तासिकाएँ | 5 |
| 6 | SEC-1 | TH403 | यांत्रिकी अनुवाद एवं हिंदी | 30 तासिकाएँ | 2 |
| 7 | SEC-2 | TH404 | मराठी भाषा कौशल | 30तासिकाएँ | 2 |
| | | | **कुल श्रेयांक** | - | 25 |

**सूचना :-**

1. DSC प्रश्नपत्र अनिवार्य होगा।
2. DSE वैकल्पिक प्रश्नपत्र है जिसमें से किसी एक प्रश्नपत्र का चयन करना होगा।
3. RP प्रश्नपत्र सत्र 3 या सत्र 4 इनमें से किसी एक सत्र के लिए अनिवार्य होगा।
4. SEC-1 और SEC-2 प्रश्नपत्र सत्र 3 या सत्र 4 इनमें से किसी एक सत्र में लेना अनिवार्य होगा।

**चतुर्थ सत्र**

**अनिवार्य प्रश्नपत्र- I DSC-I**

**अनुवाद: ऐतिहासिक संदर्भ एवं भाषा का सामाजिक संदर्भ**

**विषय सांकेतांक - TH41**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1) हिंदी साहित्यकारों के अनुवाद कार्य के योगदान का आकलन करेंगे।
2) अनुवाद प्रशिक्षण पाठ्यक्रम एवं अनुवाद क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं के कार्यों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3) पाश्चात्य एवं भारतीय अनुवाद चिंतकों के अनुवाद कार्य में योगदान एवं सिद्धांतों से छात्र परिचित होकर, उसे आत्मसात करेंगे।
4) पाश्चात्य एवं भारतीय अनुवादकों के अनुवाद शैली का ज्ञान आत्मसात कर,उसे व्यावहारिक रूप से प्रयुक्त करने में सक्षम बनेंगे।
5) अनुवाद पाठ्यक्रम का समग्र ज्ञान अर्जित कर,भविष्य के लिए सक्षम अनुवादक सिद्ध होंगे।

**गतिविधि :-**

1) पाश्चात्य एवं भारतीय अनुवादकों के सिद्धांतों,विचार एवं शैली का अध्ययन करेंगे।
2) अनुवाद पाठ्यक्रम की महत्ता को समझकर, सफल अनुवादक बनेंगे।

| **अ.क्र.** | **प्रश्नपत्र के घटक** | **तासिकाएँ** |
|---|---|---|
| इकाई - 1 | हिंदी साहित्य में अनुवाद की परंपरा | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 2 | अनुवाद प्रशिक्षण पाठ्यक्रम एवं अनुवाद क्षेत्र में कार्यरत संस्थाएं | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 3 | अनुवाद के क्षेत्र में प्रमुख विद्वानों का योगदान<br>अ) भारतेंदू हरिश्चंद्र ब) मैथिलीशरण गुप्त क) मोहन राकेश<br>ड) अब्दुर्रहीम खानखाना इ)राजेंद्र यादव ई) भोलानाथ तिवारी | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 4 | अनुवाद चिंतन :-<br>1) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' २) विष्णु प्रभाकर | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 5 | अनुवाद संबंधी विचार :- आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी,<br>ऍलेक सांद्र सेकेविच, मैथ्यू अर्नाल्ड | 12 तासिकाएँ |

**अंक विभाजन (चतुर्थ सत्र) -**

1) अतिलघूत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न 20 x 1 = 20
२) दीर्घोत्तरी प्रश्न 5 x 8 = 40
३) लघूत्तरी प्रश्न 5 x 4 = 20

.....
80

**आंतरिक मूल्यांकन**

**प्रायोगिक कार्य :-**

1) पाश्चात्य एवं भारतीय अनुवादकों के अनुवाद कार्य एवं अन्य किसी भी भाषाओं के अनुवाद कार्य का परिचय 10 अंक
2) विभागीय कार्यक्रमों में उपस्थिति 10 अंक

.....
20

कुल अंक - 100

**सूचना** :-

**1)** संपूर्ण पाठ्यक्रम से बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गए सभी प्रश्न हल करना होगा।
2) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल आठ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।
3) पांचों इकाई से कुल आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

**संदर्भ ग्रंथ सूची** :-

1) अनुवाद: त्रैमासिक (जुलाई-सितम्बर तथा ऑक्टोबर-दिसम्बर १९९८ का संयुक्त अंक) भारतीय अनुवाद परिषद
2) अनुवाद कला के मूलस्त्रात संपादक- गार्गी गुप्त-राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
3) अनुवाद कला- विश्वनाथ अय्यर

**चतुर्थ सत्र**

**अनिवार्य प्रश्नपत्र - II DSC-II**

**अनुवाद की समस्याएं एवं समाधान**

**विषय सांकेतांक - TH42**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1) जनसंचार माध्यमों में अनुवाद कार्य कैसे करना चाहिए, इसका अध्ययन करेंगे।
2) प्रमुख प्राकृतिक विज्ञानों के अनुवाद का अभ्यास करेंगे।
3) वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याओं को समझेंगे।
4) सभी प्रकार के अनुवाद को अनूदित करने में सक्षम बनेंगे
5) अनुवाद पुनरीक्षण, मूल्यांकन, संपादन करेंगे।

**गतिविधि** :-

1) जनसंचार माध्यमों के अवतरणों का अनुवाद करेंगे।
2) प्राकृतिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी अवतरणों का अनुवाद करेंगे ।

| अ.क्र. | प्रश्नपत्र के घटक | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई - 1 | जनसंचार माध्यमों में अनुवाद एवं व्यवहार, पत्र-पत्रिकाएं, आकाशवाणी, दूरदर्शन की सामग्री | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 2 | प्राकृतिक विज्ञान और प्रोद्योगिकी का अनुवाद, प्रमुख प्राकृतिक विज्ञानों (भौतिक विज्ञान, गणित, रसायनविज्ञान, जीवविज्ञान, वनस्पति विज्ञान) | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 3 | वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएं एवं समाधान | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 4 | अनुवाद पुनरीक्षण एवं संपादन (Vetting) | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 5 | प्रशासनिक अभिव्यक्तियां वाक्यांश (अंग्रेजी से हिंदी - हिंदी से अंग्रेजी) | 12 तासिकाएँ |

**अंक विभाजन (चतुर्थ सत्र)** :-

| | | |
|---|---|---|
| 1) अतिलघूत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न | 20 x 1 | = 20 |
| २) दीर्घोत्तरी प्रश्न | 5 x 8 | = 40 |
| ३) लघूत्तरी प्रश्न | 5 x 4 | = 20 |
| | | ..... |
| | | 80 |

**आंतरिक मूल्यांकन** :-

प्रायोगिक कार्य:-

| | |
|---|---|
| 1) प्रायोगिक कार्य (अनुवाद - अंग्रेजी से हिंदी) | 10 अंक |
| 2) अनुवाद का पुनरीक्षण | 10 अंक |
| | ----- |
| | **20** |

कुल अंक - **100**

**सूचना** :-

**1)** संपूर्ण पाठ्यक्रम से बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गए सभी प्रश्न हल करना होगा।
2) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल आठ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।
3) पांचों इकाई से कुल आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

**संदर्भ ग्रंथ सूची :-**


1) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान - मनोहर सराफ, डॉ.शिवाकरण गोस्वामी, विद्या प्रकाशन गोविन्द नगर, कानपूर.
2) अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी- शब्दकार, गरु अंगद नगर, दिल्ली
3) अनुवाद भाषाएँ - समस्याएँ - एन.ई.विश्वनाथ अमरज्ञान गंगा-चावजी बाजार, दिल्ली.
4) प्रारंभिक अनुवाद विज्ञान सिध्दांत और प्रयोग - अवधेश मोहन गुप्त - सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली
5) अनुवाद प्रक्रिया - रीतारानी पालीवाल - साहित्य तिथि, विश्वासनगर, शाहदरा, दिल्ली-32
6) अनुवाद- सिध्दांत एवं स्वरुप - मनोहर तथा शिवाकान्त गोस्वामी, विद्या प्रकाशन, कानपूर-6
7) अनुवाद सिध्दांत और प्रयोग- जी गोपीनाथ - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद -1

8) अनुवाद सिध्दांत की रुपरेखा - सुरेश कुमार - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2
9) अनुवाद- सिध्दांत और समस्याएँ - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली-32
10) कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल
11) अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
12) भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
13) भाषा विज्ञान - सं.राजमल बोरा
14) High school English grammer - Wren and martin
15) शब्द ATR 01 BOOK 2, 3
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पुस्तकें
16) हिन्दी भाषा - भोलानाथ तिवारी
17) राजभाषा हिन्दी के विविध आयाम - शंकर बुंदेले

**चतुर्थ सत्र**

**अनिवार्य प्रश्नपत्र - III, DSC- III**

**अनुवाद प्रबंध / विनिबंध एवं मौखिकी**

**विषय सांकेतांक - TH43**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1) छात्र रुचिनुसार अनुवाद करने में सक्षम होंगे।
2) स्वयं अनुवाद शैली का प्रयोगात्मक अभ्यास करने में सफल होंगे।
3) क्षेत्रीय भाषा में अनुवाद कार्य कर, उस भाषा को विकसित करने में योगदान देंगे।
4) व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक तौर पर अनुवाद कार्य के लिए स्वर्णिम अवसर प्राप्त होंगे।
5) अनुवाद प्रबंध का कार्य छात्र को भविष्य में रोजगार प्राप्ति के लिए उपयुक्त है।

**गतिविधि** :-

1. अनुवाद कार्य की अनुवाद प्रबंध बनाना।
2. अनुवाद कार्य की मौखिकी देना।

| **अ.क्र.** | **प्रश्नपत्र के घटक** | **तासिकाएँ** |
|---|---|---|
| 1 | १) अनुवाद प्रबंध विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट शिक्षक की देखरेख में 80 अंक<br>क) किसी प्रयुक्ति विशेष के कम से कम 30 पृष्ठ (एक पृष्ठ में 300 शब्द होना अनिवार्य है) सामग्री का अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद 60 अंक<br>ख) आधुनिक भारतीय भाषा ( इस विश्वविद्यालय में मराठी भाषा की 10 पृष्ठ (एक पृष्ठ में 300 शब्द होना अनिवार्य है) सामग्री का मराठी से हिंदी में अनुवाद २० अंक<br>अथवा<br>विनिबंध पुनरानुवाद/ दोष-विश्लेषण/ तुलनात्मक मूल्याकंन/ पुनरीक्षण (Vetting) आदि किसी एक का विस्तृत विश्लेषण | 12 तासिकाएँ |
| 2 | 2) मौखिक - अनुवाद सिद्धांत, पारिभाषिक शब्दावली, अनुवाद के क्षेत्र में सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश संबंधी भाषागत समस्याएं आदि पर प्रश्न २० अंक | 12 तासिकाएँ |

**संदर्भग्रंथ सूची :-**


1) अनुवाद भाषाएं समस्याएँ-एन.ई. विश्वनाथ अय्यर
2) साहित्यानुवाद संवाद और संवेदना - आरसु
3) काव्यानुवाद की समस्याएं - भोलानाथ तिवारी, महेन्द्र चतुर्वेदी
4) भारतीय भाषाएं और हिंदी अनुवाद, समस्या- समाधान - सं. कैलाशचंद्र भाटिया
5) राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएं - हरिमोहन
6) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएं - भोलानाथ तिवारी
7) अनुवाद की समस्याएं - स. जी. गोपीनाथन एस गोस्वामी
8) कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं - भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल गुलाटी
9) बैंकों में अनुवाद प्रविधि- सीता कुंचित पादम
10) कार्यालयी अनुवाद निदेशिका - जी.गोपीनाथ, श्रीवास्तव
11) अनुवाद विज्ञान -भोलानाथ तिवारी
12) अनुवाद सिद्धांत और समस्याएं - रवीद्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी
13) अनुवाद: सिद्धात एवं अनुप्रयोग - नगेद्र
14) वृहद प्रशासन शब्दावली Glossary administrative Terms (मानव संसाधन विकास शिक्षा विभाग)
15) कार्यालय सहायिका केन्द्रीय सचिवालय हिंदी परिषद दिल्ली, मूल संपादक, हरिबाबू कंसले

**चतुर्थ सत्र**

**वैकल्पिक प्रश्नपत्र - I, DSE-A**

**आधुनिक हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिमूलक व भाषागत परिचय**

**विषय सांकेतांक - TH44**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1) हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के साहित्यकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।
2) जयशंकर प्रसाद एवं रामधारी सिंह दिनकर के काव्यगत विशेषताओं से अवगत होंगे।
3) बाणभट्ट की आत्मकथा एवं मृगनयनी उपन्यासों से बोध लेकर,उपन्यास के तत्वों को आत्मसात करेंगे।
4) साहित्य की प्रमुख विधा नाटक का समग्र रूप से अध्ययन कर, नाटक लेखन कर सकेंगे।
5) कहानी के माध्यम से छात्र मनोवैज्ञानिक बोध ग्रहण कर,उनके व्यक्तित्व का कर सकेंगे।

**गतिविधि :-**

1) आधुनिक हिंदी साहित्य की विधाओं का अध्ययन करेंगे।
2) आधुनिक हिंदी साहित्य एवं साहित्यकारों की कृतियों का अध्ययन करेंगे।

| **अ.क्र.** | **प्रश्नपत्र के घटक** | **तासिकाएँ** |
|---|---|---|
| इकाई-1 | काव्य :- 1. कामायनी (आशा) - जयशंकर प्रसाद<br>2. रश्मिरथी- रामधारीसिंह दिनकर | 12 तासिकाएँ |
| इकाई-2 | उपन्यास:- 1.बाणभट्ट की आत्मकथा - हजारीप्रसाद द्विवेदी<br>2. शकुन्तिका - भगवानदास मोरवाल | 12 तासिकाएँ |
| इकाई-3 | नाटक :- 1. अंधेर नगरी - भारतेन्दु हरिश्चंद्र<br>2. आठवां सर्ग - सुरेन्द्र वर्मा | 12 तासिकाएँ |
| इकाई-4 | कहानियाँ :- 1. करवा का व्रत - यशपाल<br>2. मैं हार गई - मन्नू भंडारी | 12 तासिकाएँ |
| इकाई-5 | निबंध :- 1. ठिठुरता हुआ गणतंत्र - हरिशंकर परसाई<br>2. आम फिर बौरा गये -आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी | 12 तासिकाएँ |

**अंक विभाजन ( चतुर्थ सत्र)** :-

1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न / अति लघूतरी प्रश्न 20 x 1 = 20
2) संदर्भ सहित व्याख्या 2 x 8 = 16
3) आलोचनात्मक प्रश्न 4 x 8 = 32
4) लघूत्तरी प्रश्न 3 x 4 = 12

---

कुल अंक- 80

**आंतरिक मूल्यांकन** :-

**प्रायोगिक कार्य -**

1) साहित्यकार का जीवन परिचय (किसी-दो) 10 अंक
2) किसी - भी साहित्यिक विधा के एक कृति का विश्लेषणात्मक प्रस्तुतीकरण 10 अंक

---

20

कुल अंक- 100

**प्रश्नपत्र का स्वरूप** :-

प्रश्न 1- संपूर्ण पाठयक्रम से बीस अतिलघूत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेगें दिये गये सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

प्रश्न 2- इकाई - १ से कामायनी तथा रश्मिरथी, इकाई-२ से बाणभट्ट की आत्मकथा तथा मृगनयनी, इकाई - ३ से अंधेर नगरी तथा आठवाँ सर्ग पाठ्यपुस्तकों से एक-एक पद्यांश और गद्यांश(कुल-4) के व्याख्या पूछे जायेंगे जिनमें से दो व्याख्या करनी पड़ेगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए ८ अंक होगे।

प्रश्न 3 - इकाई १,२ तथा ३ से प्रत्येकी २-२ दीर्घोत्तरी प्रश्न (कुल ६) प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से - किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा।
प्रश्न 4 - पाँचों इकाई से कुल छह लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से तीन प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

**संदर्भ ग्रंथ सूची** :-


1) चिन्तामणी आ. रामचंद्र शुक्ल
2) श्रेष्ठ कहानियों - मन्नू भंडारी
3) प्रतिनिधि कहानियों- राजेन्द्र यादव
4) कहानी विविधा - देवीशंकर अवस्थी
5) मानसरोवर - प्रेमचंद
6) कल्पलता- हजारीप्रसाद द्विवेदी
7) परसाई रचनावली- भाग - ३
8) हिंदी रामकाव्य में भगवान राम का चरित्र - शंकर बुंदेले
9) प्रेमचंद कथा साहित्य - समीक्षा और मूल्यांकन - धर्मध्वज त्रिपाठी
10) हिंदी नाटक : मूल्य चिंतन और रंगदृष्टि, ओमप्रकाश सारस्वत
11) मोहन राकेश और उनके नाटक - गिरिश रस्तोगी
12) हिंदी कहानी प्रक्रिया और पाठ, सुरेंद्र चौधरी, दिनकर सं. सावित्री सिन्हा
13) सतसई परंपरा और बाल सतसई - संगीता जगताप
14) डॉ. परशुराम शुक्ल कृत बाल सतसई का अनुशीलन- रेखा धुराटे , श्वेतवर्णा प्रकाशन नई दिल्ली

**चतुर्थ सत्र**

**वैकल्पिक प्रश्नपत्र - II, DSE-B**

**राजभाषा प्रशिक्षण**

**विषय सांकेतांक - TH45**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1) राजभाषा हिंदी की प्रकृति एवं स्वरूप से परिचित होंगे।
2) कार्यालयीन हिंदी का व्यवस्थित ज्ञान प्राप्त करेंगे।
3) राजभाषा के अनुप्रयोगात्मक पक्ष को आत्मसात करेंगे।
4) राजभाषा हिंदी के अनुप्रयोग की स्थिति को समझ सकेंगे।
5) प्रशासनिक हिंदी का संगणकीय ज्ञान प्राप्त करेंगे।

**गतिविधि** :-

1) प्रशासनिक पत्राचार के अनुवाद कार्य का प्रयोग करेंगे।
2) विभिन्न कार्यालयी क्षेत्रों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग करेंगे।

| **अ.क्र.** | **प्रश्नपत्र के घटक** | **तासिकाएँ** |
|---|---|---|
| इकाई - 1 | राजभाषा (कार्यलयी हिंदी) की प्रकृति।<br>राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष: हिंदी आलेखन, टिप्पण, संक्षेपण तथा पत्राचार\| | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 2 | कार्यालय अभिलेखों के हिंदी अनुवाद की समस्या, केंद्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिन्दीकरण की प्रगति। | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 3 | बैंकिंग,बीमा और अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिंदी अनुप्रयोग की स्थिति। | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 4 | विधिक क्षेत्र में हिंदी। | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 5 | सूचना प्रोद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिंदी और देवनागरी लिपि। | 12 तासिकाएँ |

**अंक विभाजन ( चतुर्थ सत्र)** :-

1) अतिलघूत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न 20 x 1 = 20
२) दीर्घोत्तरी प्रश्न 5 x 8 = 40
३) लघूत्तरी प्रश्न 5 x 4 = 20

.....

80

**आंतरिक मूल्यांकन**

**प्रायोगिक कार्य:-**

1) कार्यालयीन हिंदी पत्राचार 10 अंक
2) राजभाषा हिंदी संगणकीकरण की जानकारी का प्रस्तुतीकरण 10 अंक

---

20

कुल अंक- 100

**सूचना-**

1) संपूर्ण पाठ्यक्रम से बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गए सभी प्रश्न हल करना होगा।
2) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल आठ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।
3) पांचों इकाई से कुल आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

**संदर्भ ग्रंथ सूची -**


1) राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएं - हरिमोहन
2) कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं- भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल गुलाटी
3) बैंकों में अनुवाद प्रविधि- सीता कुंचित पादम
4) कार्यालयी अनुवाद निदेशिका - जी.गोपीनाथ, श्रीवास्तव
5) अनुवाद सिद्धांत और समस्याएं - रवीद्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी

6) वृहद प्रशासन शब्दावली Glossary administrative Terms (मानव संसाधन विकास शिक्षा विभाग)
7) कार्यालय सहायिका केन्द्रीय सचिवालय हिंदी परिषद दिल्ली, मूल संपादक, हरिबाबू कंसले
8) प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी - गोस्वामी कृष्णकुमार, प्रभा प्रकाशन, दिल्ली, 2010
9) प्रयोजनमूलक भाषा - श्रीवास्तव रवीन्द्रनाथ, जयभारती प्रकाशन, कानपुर, 2008
10) प्रयोजनमूलक भाषा -गोदरे विनोद, अमन प्रकाशन, इलाहबाद, 2013
11) प्रयोजनमूलक हिन्दी - माधव सोनटक्के, सरस्वती प्रकाशन, दिल्ली, 2011
12) प्रयोजनी हिन्दी स्वरुप और व्यापकता - गोपाल शर्मा, अमन प्रकाशन, इलाहबाद, 2015
13) इक्कीसवीं सदी और हिन्दी पत्रकारिता - सं.अमरेद्र कुमार निशांत सिंह सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली
14) जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन, लालजी मार्केट, मायन प्रेस रोड, इलाहाबाद, 2017
15) संपादित पुस्तक प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद- बुंदेले शंकर, बोके प्रिन्टर्स, अमरावती

**चतुर्थ सत्र**

**वैकल्पिक प्रश्नपत्र - III, DSE-C**

**कोश विज्ञान**

**विषय सांकेतांक - TH46**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1) कोश विज्ञान में कोश निर्माण की सैद्धांतिक उपयोगिता को समझेंगे।
2) भाषाविज्ञान के विभिन्न घटक एवं ऐतिहासिक भाषाविज्ञान के समेकित अनुप्रयोग को ग्रहण करेंगे।
3) कोश की प्रविष्टि एवं संरचना को आत्मसात कर,कोश प्रविष्टि कला का अनुप्रयोग करेंगे।
4) पाश्चात्य एवं भारतीय कोश परंपरा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझकर, हिंदी के प्रमुख कोश एवं कोशकार के योगदान से अवगत होंगे।
5) कोश विज्ञान के माध्यम से छात्र सटिक अनुवाद करने में सक्षम होंगे साथ ही भाषिक स्तर विकसित होंगा।

**गतिविधि :-**

1) समग्र कोश का ज्ञानार्जन कर,अनुवाद कार्य में प्रयोग।
2) भाषास्तर को वृद्धिगत करने हेतु कोश का उपयोग

| **अ.क्र.** | **प्रश्नपत्र के घटक** | **तासिकाएँ** |
|---|---|---|
| इकाई - 1 | प्रविष्टि संरचना, रूपिम, शब्द और शब्दिम, सरल, व्युत्पन्न और सामाजिक शब्दिम, सामाजिक शब्दिम सहप्रयोगात्मक व्युत्पादक समास, सहप्रयोग और संदर्भ। | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 2 | रूप अर्थ संबंध:- अनेकार्थकता, समानार्थकता, समनामता, मध्वन्यात्मकता, विलोमता। | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 3 | कोश निर्माण की समस्याएं :- समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोशों के संदर्भ में अलिखित भाषाओं का कोश-निर्माण। | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 4 | कोशविज्ञान और अन्य विषयों का संबंध :- कोशविज्ञान और स्वनविज्ञान, व्याकरण, व्युत्पत्तिशास्त्र और अर्थविज्ञान का संबंध। | 12 तासिकाएँ |
| इकाई - 5 | पाश्चात्य कोश परंपरा, भारतीय कोश परंपरा तथा हिंदी कोश साहित्य का इतिहास। हिंदी के प्रमुख कोश और कोशकार। | 12 तासिकाएँ |

1) अतिलघूत्तरी / वस्तुनिष्ठ प्रश्न 20 x 1 = 20
२) दीर्घोत्तरी प्रश्न 5 x 8 = 40
३) लघूत्तरी प्रश्न 5 x 4 = 20

.....

कुल अंक - 80

**आंतरिक मूल्यांकन**

**प्रायोगिक कार्य :-**

1) हिंदी के एकभाषिक कोश का प्रस्तुतीकरण 10 अंक
2) ज्ञानकोश में उपलब्ध शब्दों का विश्लेषणात्मक प्रस्तुतीकरण 10 अंक

.....

20

कुल अंक- 100

**सूचना-**

1) संपूर्ण पाठ्यक्रम से बीस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे दिये गए सभी प्रश्न हल करना होगा।
2) प्रत्येक इकाई से एक ऐसे कुल आठ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।
3) पांचों इकाई से कुल आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पांच प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

**संदर्भ ग्रंथ सूची -**


1. कोश विज्ञान - तिवारी भोलानाथ
2. कोश विज्ञान - वर्मा देवेंन्द्र

3. कोश विज्ञान : शब्दकोश और विश्वकोश - गुप्ता विक्रम, दर्शन पाण्डेय, संजय प्रकाशन नई दिल्ली भारत
4. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान कोश - कन्हैयालाल वैचारिक वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग मानव संसाधन विकास मंत्रालय,भारत सरकार-1988
5. कोश विज्ञान-कोश - शेहरा सतीश कुमार, पीतांबर, केन्द्रीय संस्थान, आगरा
6. भाषा विज्ञान कोश - तिवारी भोलानाथ

**चतुर्थ सत्र**

**प्रश्नपत्र - V**

**Research Project (RP)**

**शोध प्रबंध (प्रकल्प)**

**विषय सांकेतांक - TH402**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1) ज्ञात से अज्ञात की ओर पहल करेंगे।
2) छात्रों की खोजी प्रकृति विकसित होगी।
3) अनुसंधान के संसाधनों का प्रयोग करेगा।
4) छात्र सामग्री विश्लेषण की संकल्पना को पूर्ण करने में निष्णांत बनेंगे।
5) वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्र में अनुसंधान की प्रवृत्ति विकसित होंगी।

**गतिविधि :-**

1. शोध प्रबंध कार्य पूर्ण करना।
2. शोध प्रबंध कार्य की मौखिकी देना।

| अ.क्र. | प्रश्नपत्र के घटक | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| 1 | शोध प्रबंध- संकल्पनात्मक परिचय, स्वरूप | 15 तासिकाएँ |
| 2 | शोध प्रबंध- विषय चयन, पूर्वतयारी, रूपरेखा | 15 तासिकाएँ |
| 3 | शोध प्रबंध- जानकारी संकलन/सामग्री संकलन | 15 तासिकाएँ |
| 4 | शोध प्रबंध- जानकारी अध्ययन एवं विश्लेषण | 15 तासिकाएँ |
| 5 | शोध प्रबंध- अहवाल लेखन | 15 तासिकाएँ |

**सूचना - शोध प्रबंध कार्य के लिए निम्नांकित विषय दिए गए है।**

1. राजकीय, सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक दृष्टि से अनुवाद का महत्व उपयोगिता
2. अनुवाद के क्षेत्रों का विवेचनात्मक अध्ययन
3. सामाजिक, सांस्कृतिक शैली का तथा अननुवादयता के संदर्भ में अनुवाद की सीमाओं का विश्लेषण
4. अनुवाद सिद्धांतों का विवेचनात्मक अध्ययन
5. यथोचित अनुवाद में अनुवाद के प्रकारों का महत्व
6. अनुवाद के साधन/ उपकरणों की उपयोगिता
7. वर्तमान में मशीनी अनुवाद के गुण-दोषों का विवेचन
8. बहुभाषिकता के संदर्भ में आशु अनुवादक और अनुवादक की भूमिका
9. अनुवाद: पुनरीक्षण, मूल्यांकन, संपादन तथा समीक्षा की महत्ता
10. अनुवाद में भाषा का-सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ
11. अनुवाद और भाषा विज्ञान तुलनात्मक अनुपयुक्त और व्यतिरेकी भाषा-विज्ञान
12. भाषा में शब्दों की उपयोगिता
13. हिंदी और अंग्रेजी के वाक्य विन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन
14. अंग्रेजी-हिंदी का व्यतिरेकी विश्लेषण
15. हिंदी साहित्य का इतिहास : एक पुनर्दृष्टि
16. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में समाज को प्रदेय : कबीर साहित्य
17. सूरदास का भ्रमरगीतसार : एक विश्लेषण
18. समन्वयवादी तुलसीदास : एक विश्लेषण
19. समाज उत्थान में भक्तिकालीन कवियों का योगदान
20. रीतिकालीन कवियों की सामाजिक चेतना
21. नवजागरण काल के कवियों की भूमिका
22. साहित्यिक गद्य-पद्य विधाओं (किसी एक) का विश्लेषण
23. भाषा शिक्षण में भाषा के प्रकारों का विश्लेषण
24. भाषा शिक्षण में उपयोगी साधन सामग्री का विश्लेषण
25. भाषा कौशल और उसके विकास का अध्ययन
26. योग्यता प्राप्ति के लिए भाषा कौशल का महत्व
27. भाषा शिक्षण में व्यतिरेकी और त्रुटि विश्लेषण का महत्व
28. अधुनातन उपकरणों के माध्यम से हिंदी शिक्षण का अध्ययन
29. भाषा शिक्षण में निदानात्मक और उपचारात्मक विधियां

30. सामान्य भाषा से राजभाषा के विशिष्ट शब्दों का अंतर
31. कार्यालयीन हिंदी - प्रयुक्ति की शब्दावली
32. संप्रति भाषा नीति
33. संविधान में उल्लेखित प्रशासनिक दृष्टि से हिंदी के क्षेत्र क,ख,ग
34. यूनिकोड की वर्तमान स्थिति (विभिन्न कुंजीपटलों के संदर्भ में)
35. प्रकाशन व वेब प्रकाशन में आवश्यक साधन (word processing,Data processing Font प्रबंधन, तकनीकी व पद्धति)
36. साइबर क्राइम और कानून
37. दृश्यों का विवरण और उसका संवादों में रूपांतरण
38. त्योहारों पर SMS लेखन
39. जनसंपर्क कार्यक्रमों की योजना
40. सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में जनसंपर्क का उद्देश्य
41. सरकारी उद् घोषणाओं (चेतावनी ,सलाह एवं सुझाव) का अनुवाद
42. वर्गीकृत विज्ञापन, दंड,शक्तियों,निविदाएं, हैंडबॉल,महाविद्यालयीन सूचनाओं के अनुवाद
43. संक्षिप्त पुस्तक परिचय
44. अनुवादक के अनुवाद - कार्य का विश्लेषणात्मक अध्ययन
45. साहित्यिक क्षेत्रों के अनुवाद की समस्याओ का निराकरण
46. साहित्येतर क्षेत्रों के अनुवाद की समस्याओं का निराकरण
47. अनूदित कृतियो (हिंदी,मराठी,,अंग्रेजी) का विश्लेषणात्मक अध्ययन
48. हिंदी साहित्य में बाल-साहित्य का समाज प्रदेय
49. बाल सतसई की मनोवैज्ञानिक विश्लेषण
50. विविध विमर्श का विश्लेषणात्मक अध्ययन (स्त्री,दलित, बाल, पुरूष,किन्नर)
51. पर्यावरण जागृती में हिंदी साहित्यकारों का योगदान
52. पर्यावरण संवर्धन में हिंदी साहित्यकारों का योगदान
53. जनसंचार माध्यम और पर्यावरण
54. अनूदित लोकसाहित्य का विश्लेषण
55. फिल्म डबिंग में अनुवाद एक विश्लेषणात्मक अध्ययन
56. विज्ञापन डबिंग में अनुवाद का महत्व
57. अनुवाद के संदर्भ में कोश विज्ञान की उपादेयता
58. साहित्यिक क्षेत्रों के कोश का विश्लेषणात्मक अध्ययन
59. साहित्येतर क्षेत्रों के कोश का विश्लेषणात्मक अध्ययन
60. भाषा के संदर्भ में ज्ञान कोश की उपादेयता
61. अध्येता कोश विश्लेषणात्मक अध्ययन

| **अ.क्र.** | **प्रश्नपत्र के घटक** | **कुल अंक** | **तासिकाएँ** |
|---|---|---|---|
| 1 | १) शोध प्रबंध कार्य विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट शिक्षक की देखरेख में -<br>क) किसी प्रयुक्ति विशेष के कम से कम 30 पृष्ठ (एक पृष्ठ में 300 शब्द होना अनिवार्य है)<br>ख) विश्वविद्यालय द्वारा दिए गए विषय लेना अनिवार्य है। | **60 अंक** | 75 तासिकाएँ |
| 2 | मौखिकी - शोध प्रबंध कार्य से संबंधित विषय पर प्रश्न | **40 अंक** | |
| | | **100 अंक** | |

**संदर्भ ग्रंथ सूची :-**


1) अनुवाद भाषाएं समस्याएँ-एन.ई. विश्वनाथ अय्यर
2) साहित्यानुवाद संवाद और संवेदना - आरसु
3) काव्यानुवाद की समस्याएं - भोलानाथ तिवारी, महेन्द्र चतुर्वेदी
4) भारतीय भाषाएं और हिंदी अनुवाद, समस्या- समाधान - सं. कैलाशचंद्र भाटिया
5) राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएं - हरिमोहन
6) वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएं - भोलानाथ तिवारी
7) अनुवाद की समस्याएं - स. जी. गोपीनाथन एस गोस्वामी
8) कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं - भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल गुलाटी
9) बैंकों में अनुवाद प्रविधि- सीता कुंचित पादम

10) कार्यालयी अनुवाद निदेशिका - जी.गोपीनाथ, श्रीवास्तव
11) अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
12) अनुवाद सिद्धांत और समस्याएं - रवीद्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी
13) अनुवाद: सिद्धात एवं अनुप्रयोग - नगेद्र
14) वृहद प्रशासन शब्दावली Glossary administrative Terms (मानव संसाधन विकास शिक्षा विभाग)
15) कार्यालय सहायिका केन्द्रीय सचिवालय हिंदी परिषद दिल्ली, मूल संपादक, हरिबाबू कंसले

**चतुर्थ सत्र**

**प्रश्नपत्र - VI**

**SEC-I.4 - Tutorial**

**यांत्रिकी अनुवाद एवं हिंदी**

**विषय सांकेतांक - TH402**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1. यांत्रिकी अनुवाद से अनुवाद में सहायता मिलेंगी।
2. छात्र अल्प समय में शीघ्र अनुवाद करने में सक्षम होंगे।
3. यांत्रिक अनुवाद हर समय हर जगह उपलब्ध होगा।
4. अन्य भाषिक व्यक्ति से संवाद स्थापित करना आसान होंगा।
5. मशीनी अनुवाद से विदेशी भाषा का ज्ञानार्जन सरल होगा।

| **अ.क्र.** | **प्रश्नपत्र के घटक** | **तासिकाएँ** |
|---|---|---|
| इकाई 1 | अर्थ, परिभाषा, आवश्यकता, महत्व, संभावनाएं | 15 तासिकाएँ |
| इकाई 2 | यांत्रिक अनुवाद प्रक्रिया, कम्प्यूटर अनुवाद का विकास, भारत में कम्प्यूटरों पर उपलब्धs | 15 तासिकाएँ |

| **अ.क्र.** | **लिखित-निबंध / स्वाध्याय / प्रस्तुतीकरण** | **मौखिक परीक्षा** | **कुल गुण** |
|---|---|---|---|
| 1 | 40 | 10 | 50 |

**संदर्भ ग्रंथ सूची :-**


1) हिन्दी में व्यवहारिक अनुवाद- डॉ.आलोक कुमार रस्तोगी - सुमित पब्लिकेशन, दिल्ली-6
2) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान - डॉ.मनोहर सराफ, डॉ.शिवाकरण गोस्वामी, विद्या प्रकाशन गोविन्द नगर, कानपूर.
3) अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी- शब्दकार, गरु अंगद नगर, दिल्ली
4) अनुवाद भाषाएँ - समस्याएँ - एन.ई.विश्वनाथ अमरज्ञान गंगा-चावजी बाजार, दिल्ली.
5) प्रारंभिक अनुवाद विज्ञान सिध्दांत और प्रयोग - अवधेश मोहन गुप्त - सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली
6) अनुवाद प्रक्रिया - डॉ.रीतारानी पालीवाल - साहित्य तिथि, विश्वासनगर, शाहदरा, दिल्ली-32
7) अनुवाद- सिध्दांत एवं स्वरुप -डॉ.मनोहर तथा डॉ.शिवाकान्त गोस्वामी, विद्या प्रकाशन, कानपूर-6
8) अनुवाद सिध्दांत और प्रयोग- जी गोपीनाथ - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद -1
9) अनुवाद सिध्दांत की रुपरेखा -डॉ.सुरेश कुमार - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2
10) अनुवाद- सिध्दांत और समस्याएँ - डॉ.रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली-32
11) कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ - डॉ. भोलानाथ तिवारी, डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल
12) अनुवाद कला - अय्यर एन.ई.विश्वनाथ - प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2002
13) साहित्यानुवाद- संवाद और संवेदना - अढाउ उदय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली - 2, 2001

**चतुर्थ सत्र**

**प्रश्नपत्र - VII**

**SEC-2.4 - Tutorial**

**मराठी भाषा कौशल**

**विषय सांकेतांक - TH402**

**प्रश्नपत्र की निष्पत्ति (Cos)** :-

1) छात्र मराठी-हिंदी की वाक्य संरचना को समझेंगे।
2) छात्र मराठी के विभिन्न कोश का क्षेत्र के अनुसार अध्ययन करना सीखेंगे।
3) छात्र स्तरीय मराठी में अभिव्यक्ति कर सकेंगे।
4) हिंदी भाषी छात्र मराठी भाषा कौशल से अवगत होंगे।

| अ.क्र. | प्रश्नपत्र के घटक | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई 1 | मराठी- हिंदी भाषा का वाक्य संरचना,वर्तनी<br>मराठी के कोश का अध्ययन | 15 तासिकाएँ |
| इकाई 2 | मराठी वाचन और लेखन कौशल<br>स्तरीय अभिव्यक्ति का अनुप्रयोग | 15 तासिकाएँ |

| अ.क्र. | लिखित-निबंध / स्वाध्याय / प्रस्तुतीकरण | मौखिक परीक्षा | कुल गुण |
|---|---|---|---|
| 1 | 40 | 10 | 50 |

**संदर्भ ग्रंथ सूची :-**


1) हिन्दी में व्यवहारिक अनुवाद- डॉ.आलोक कुमार रस्तोगी - सुमित पब्लिकेशन, दिल्ली-6
2) प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान - डॉ.मनोहर सराफ, डॉ.शिवाकरण गोस्वामी, विद्या प्रकाशन गोविन्द नगर, कानपूर.
3) अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी- शब्दकार, गरु अंगद नगर, दिल्ली
4) अनुवाद भाषाएँ - समस्याएँ - एन.ई.विश्वनाथ अमरज्ञान गंगा-चावजी बाजार, दिल्ली.
5) प्रारंभिक अनुवाद विज्ञान सिध्दांत और प्रयोग - अवधेश मोहन गुप्त - सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली
6) अनुवाद प्रक्रिया - डॉ.रीतारानी पालीवाल - साहित्य तिथि, विश्वासनगर, शाहदरा, दिल्ली-32
7) अनुवाद- सिध्दांत एवं स्वरुप -डॉ.मनोहर तथा डॉ.शिवाकान्त गोस्वामी, विद्या प्रकाशन, कानपूर-6
8) अनुवाद सिध्दांत और प्रयोग- जी गोपीनाथ - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद -1
9) अनुवाद सिध्दांत की रुपरेखा -डॉ.सुरेश कुमार - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली-2
10) अनुवाद- सिध्दांत और समस्याएँ - डॉ.रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन दिल्ली-32
11) कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ - डॉ. भोलानाथ तिवारी, डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल
12) अनुवाद कला - अय्यर एन.ई.विश्वनाथ - प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली-2, 2002
13) साहित्यानुवाद- संवाद और संवेदना - अढाउ उदय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली - 2, 2001

**सूचना :-**

1. एम.ए.(अनुवाद हिंदी) पाठ्यक्रम कुल 82 श्रेयांक (उपलब्ध अधिकतम श्रेयांक) का है।

2. एम.ए.(अनुवाद हिंदी) पाठ्यक्रम के DSC, DSE इन प्रश्नपत्रों से कम से कम 80 प्रतिशत श्रेयांक अर्थात् 64 श्रेयांक प्राप्त करना अनिवार्य है।

3. Ancillary Credit Courses अंतर्गत विद्यार्थियों को कम से कम 10 प्रतिशत श्रेयांक अर्थात् 8 श्रेयांक प्राप्त करना अनिवार्य है।

अ) सेवानुभव (Internship)/ कार्यानुभव (Work Experience)/ क्षेत्रकार्य (Field Work)अनिवार्य है।

आ) Open Elective Courses इसके प्रश्नपत्र ऐच्छिक है किंतु छात्र इनमें से श्रेयांक प्राप्त कर सकते हैं। अन्य पाठ्यक्रम/ अन्य विद्याशाखा के छात्र GIC, Skill Courses इस प्रश्नपत्रिका से प्रश्नपत्र का चयन कर, श्रेयांक प्राप्त कर सकते हैं।

इ) छात्र अभ्यासपूरक ( Co-Curricular Activities) अथवा अभ्यासेत्तर योजना से प्राप्त कर सकते है, इसमें सहभाग ऐच्छिक स्वरूप का है।

4) छात्र को कम से कम 8 श्रेयांक RP&SEC प्रश्नपत्रिकाओं से प्राप्त करना अनिवार्य है।

**Ancillary Credit Courses :-**

| अ. क्र. | प्रश्नपत्र का प्रकार | स्वरूप | पाठ्यक्रम | तासिकाएँ | श्रेयांक |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | सेवाधीन प्रशिक्षण (Internship) /कार्यानुभव (Work Experience) /क्षेत्र कार्य (Fild Work) | अनिवार्य | महाविद्यालय/ स्नातकोत्तर विभाग की ओर से मान्यता प्राप्त संस्था कार्यालयों में उदा. समाचार-पत्र आकाशवाणी, टीव्ही चॅनल्स, जनसंपर्क कार्यालय, प्रकाशन संस्था साहित्य विषयक कार्य करनेवाली संस्था आदि स्थानों पर हिंदी विषयक लेखन कार्य की सेवा देना अथवा लेखन-संपादन, अनुवाद विषयक कार्यों का अनुभव लेना। | 60/90 | 2/3 |
| | | | **क्षेत्र-कार्य**<br>अनुवाद विषयक प्रश्नपत्रिका के संदर्भ में ग्रंथालय अनूदित ग्रंथों/ पुस्तकों का विश्लेषण, जानकारी संकलन | | |
| 2 | Open Elective Courses | ऐच्छिक | पाठ्यक्रमानुसार | | कम- से- कम 5 |
| 3 | Co-curricular/ Extracurricular Activities | ऐच्छिक | वक्तृत्व, वादविवाद, काव्य, निबंध, अनुवाद स्पर्धाएं और विविध शैक्षणिक तथा विस्तार उपक्रम ( विद्यापीठ निदेश क्र. 57/22 के अनुसार ) | | कम- से- कम 5 |

( सेवानुभव / कार्यानुभव / क्षेत्रकार्य पूर्ण करना अनिवार्य होगा।किए गए कार्य का प्रमाणपत्र विभागप्रमुख तथा प्राचार्य के हस्ताक्षरसहित प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।)

* कुल श्रेयांक के कम-से-कम 10 प्रतिशत श्रेयांक छात्र को Ancillary Credit Courses से प्राप्त करना है। अर्थात कम-से-कम 8 श्रेयांक Ancillary Credit Courses से प्राप्त करना अनिवार्य है।

**Open Elective Courses**

| अ. क्र. | | प्रश्नपत्रिका का प्रकार | | प्रश्नपत्रिका | तासिकाएँ | श्रेयांक |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Open Elective Courses | General Interest Courses | GIC 1 | पुरस्कृत अनूदित कृतियाँ | 15 | 1 |
| | | | GIC 2 | लोकप्रिय अनूदित साहित्य | 15 | 1 |
| | | | GIC 3 | हिंदी कविता/कहानी | 15 | 1 |
| | | Skill Courses | Skill Courses | विभागीय कार्यक्रमों में सूत्रसंचालन | 15 | 1 |
| | | | Skill Courses | विभागीय कार्यक्रमों का समन्वयन | 15 | 1 |
| | | | Skill Courses | स्तरीय हिंदी लेखन | 15 | 1 |

Open Elective Courses छात्र को स्वअध्ययन द्वारा पूर्ण करना है जिसके छात्र स्वयं पाठ्यक्रम देखे । छात्रों को इस प्रश्नपत्रिकाओं के लिए मार्गदर्शक अध्यापक नियुक्त किए जायेंगे।

* कुल 82 श्रेयांक से कम-से-कम 10 प्रतिशत श्रेयांक अर्थात 8 श्रेयांक छात्र को Ancillary Credit Courses से प्राप्त करना अनिवार्य है। Ancillary Credit Courses के अंतर्गत छात्र Open Elective Courses से उपरोक्त तालिका में दिए गए श्रेयांक पद्धति के अनुसार श्रेयांक प्राप्त कर सकते है।

* अन्य पाठ्यक्रम अथवा अन्य विद्याशाखा के छात्र भी GIC, Skill Courses इस पाठ्यक्रम की प्रश्नपत्रिका का चयन कर श्रेयांक प्राप्त कर सकते है।

**संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती**

**अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी)**

**अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2022-2023**

**वाड्.मय पारंगत (अनुवाद हिंदी) / एम.ए. अनुवाद हिंदी**

**कुल श्रेयांकों का विभाजन**

| **अ.क्र.** | **एम.ए. अनुवाद हिंदी पाठयक्रम योजना** | **प्रश्नपत्रिका** | **कुल अंक** | **कुल श्रेयांक (उपलब्ध अधिक-से-अधिक श्रेयांक)** | **प्रश्नपत्रिका (DSC & DSE) कम-से-कम पूर्णता** | **प्रश्नपत्रिका (Other) (RP&SEC) कम-से-कम पूर्णता** | **Ancillaey Credit Courses कम-से-कम पूर्णता** |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | सत्र 1 | 4 | 400 | 16 | कम-से-कम 82 प्रतिशत श्रेयांक | RP- 5 श्रेयांक SEC-1&2 - 3 श्रेयांक | कुल श्रेयांकों का कम-से-कम 10 प्रतिशत श्रेयांक |
| 2 | सत्र 2 | 4 | 400 | 16 | | | |
| 3 | सत्र 3 | 7 | 600 | 25 | | | |
| 4 | सत्र 4 | 7 | 600 | 25 | | | |
| | | **22** | **2000** | **82** | **64 श्रेयांक** | **8 श्रेयांक** | **8 श्रेयांक** |

1. एम.ए. अनुवाद हिंदी पाठयक्रम का कुल श्रेयांक **2000** का है।
2. छात्र चार सत्र के DSC & DSE प्रश्नपत्रिका के कुल पाठ्यक्रम से कम-से-कम 82 प्रतिशत श्रेयांक प्राप्त कर सकते है।
3. छात्र को RP & SEC प्रश्नपत्रिका से कम-से-कम 80 प्रतिशत श्रेयांक प्राप्त करना अनिवार्य है।
4. छात्र को कुल 82 श्रेयांक के कम-से-कम 10 प्रतिशत श्रेयांक अर्थात 8 श्रेयांक Ancillary Credit Courses से प्राप्त करना अनिवार्य है।